22 वर्ष

घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 04- मंगलवार 04- नवम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये ,www.ghatati-ghatana.com,RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

तेलंगाना के रंगारेड्डी में भीषण सड़क हादसा

ट्रक और बस की टक्कर में 19 की मौत,कई घायल

रंगारेड्डी,03 नवम्बर 2025(ए)। तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में सोमवार सुबह बड़ा सड़क हादसा हुआ। बजरी से भरे ट्रक और सार्वजनिक परिवहन बस की आमने-सामने टक्कर में कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई,जबकि पांच से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसा चेवेल्ला के पास स्टेट हाईवे पर हुआ। टक्कर के बाद ट्रक में लदी बजरी बस पर गिर गई,जिससे स्थिति और गंभीर हो गई। यह दुर्घटना सोमवार सुबह हुई जब ट्रक चेवेल्ला के पास तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) की बस से टकरा गया। हादसे के बाद पुलिस ने राहत और बचाव कार्य शुरू कर यात्रियों को बस से बाहर निकाला।

बस में सवार थे चालीस यात्री

हादसा सुबह करीब साढ़े सात बजे हुआ। बस तंदूर से चेवेल्ला जा रही थी और उसमें लगभग चालीस यात्री सवार थे। हैदराबाद पुलिस ने बताया कि ट्रक चालक और आठ यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बस चालक,एक महिला कंडक्टर और अन्य घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, टक्कर के बाद ट्रक की बजरी बस पर जा गिरी,जिससे कई यात्री मलबे में दब गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोग और राहत दल मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य में जुट गए।

पीएम ने मृतकों को 2-2 लाख रुपए मुआवजे का ऐलान किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बस-डंपर दुर्घटना पर दुख जताया है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की गई है।

मंत्री ने जताया दुख

तेलंगाना के आईटी और उद्योग मंत्री तथा रंगारेड्डी जिले के प्रभारी मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने चेवेल्ला मंडल के मिर्जागुडा के पास हुई इस दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए प्रशासन को घायलों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। पुलिस ने बताया कि हादसे की जांच शुरू कर दी गई है और प्रारंभिक रूप से यह माना जा रहा है कि ट्रक की तेज रफ्तार और नियंत्रण खोने के कारण यह दुर्घटना हुई।

सड़क खून से लाल.....

जयपुर-डंपर ने 17 गाड़ियों को कुचला,14 की मौत

जयपुर,03 नवम्बर 2025(ए)। जयपुर में तेज रफ्तार डंपर ने एक के बाद एक 17 गाड़ियों को टक्कर मार दी। हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई। हादसे में कई मृतकों के अंग शरीर से अलग हो गए थे। किसी का पैर कट गया तो किसी का हाथ। यहां तक की सड़क भी खून से लाल हो गई थी। ड्राइवर नशे में था। हादसे में 10 से ज्यादा घायल हो गए 3 को गंभीर हालत में एसएमएस अस्पताल ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। पुलिस ने बताया कि हादसा हरमाड़ा के लोहा मंडी पर हुआ। दोपहर करीब 1 बजे डंपर लोहा मंडी पेट्रोल पंप की तरफ से रोड नंबर-14 से हाईवे पर चढ़ने के लिए जा रहा था इस दौरान उसने गाड़ियों को टक्कर मार दी। ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया है। मौके से डंपर को भी हटाने के प्रयास किया जा रहे हैं। 300 मीटर दूर से टक्कर मारता हुआ आया : हेड कॉन्स्टेबल रविंद्र ने बताया कि डंपर खाली था। जो रोड नंबर 14 की तरफ जा रहा था। लोहा मंडी रोड पर करीब 300 मीटर दूर से लोगों को टक्कर मारता आ रहा था। कई वाहनों और लोगों को अपनी चपेट में ले लिया।

लोगों को एंबुलेंस के जरिए अस्पताल भिजवाया गया। पुलिस का कहना है कि हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें डंपर ड्राइवर 100 से अधिक की स्पीड में गाड़ी दौड़ता हुआ नजर आ रहा है जो वाहनों को अपनी चपेट में लेते हुए लोगों को भी कुचलता हुआ दिख रहा है। मौके पर मौजूद राकेश कुमार जांगिड़ और रामदयाल मीणा ने बताया कि यह हादसा उनके सामने ही हुआ था। रॉन्ग साइड से आ रहे डंपर ने चौराहे पर पहले एक बाइक को कुचला। फिर एक स्विफ्ट कार सहित तीन वाहनों को रौंदता गया।

सरकार में नीतीश की नहीं सुनी जा रही : प्रियंका गांधी

सहरसा,03 नवम्बर 2025(ए)। समस्तीपुर में सोमवार को कांग्रेस सांसद और महासचिव प्रियंका गांधी ने 2 किमी तक रोड शो किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी एवं पूर्व डीजीपी ब्रजकिशोर रवि के पक्ष में वोट की अपील की। प्रियंका गांधी के साथ पूर्णिया सांसद पप्पू यादव भी रोड शो में मौजूद रहे। इससे पहले प्रियंका गांधी ने सहरसा में महागठबंधन के पक्ष में सभा की। इस दौरान उन्होंने कहा,हाल में इन लोगों ने एसआईआर करवाकर 65 लाख वोट काट दिए। इसके कटने का मतलब क्या है। आपके अधिकार कट रहे हैं। आपको कमजोर किया जा रहा है। इससे आपको सरकारी फायदे नहीं मिलेंगे। आपका वोट कटना मतलब नागरिकता खत्म कर देना। ये बड़ी साजिश है। देश में कुछ भी होता है तो ये लोग हमारे ऊपर ठीकरा फोड़ते हैं। इन लोगों को अपमान मंत्रालय बना देना चाहिए। प्रधानमंत्री का समय बहुत कीमती होता है, इसलिए इन लोगों को अलग से अपमान मंत्रालय खोल लेना चाहिए। ये फालतू की बातों में आपका समय बर्बाद कर रहे हैं। उन्होंने कहा, '20 साल से बिहार में एक ही सरकार चल रही है। नीतीश की सरकार केन्द्र से चलती है। आज बिहार में सीएम का सम्मान नहीं हो रहा है। आपके सीएम की नहीं सुनी जा रही है। बीजेपी के बड़े बड़े नेता यहां आए। बीजेपी के बड़े नेता केवल अतीत की बात करते हैं।

देश के विकास के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर उत्पादन क्षेत्र में चलाया जा रहा विशेष अभियान : अश्विनी वैष्णव

गांधीनगर,03 नवम्बर 2025(ए)। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी,रेलवे तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर क्षेत्र पर विशेष फोकस के साथ अभियान चलाया गया है। उन्होंने कहा कि देश के विकास के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर उत्पादन अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री मोदी के दिशा-निर्देशन में ये क्षेत्र बहुत तेजी से और बेहतर प्रगति कर रहे हैं। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री वैष्णव सोमवार को गुजरात में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले फैब परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी के लिए गुजरात के गांधीनगर में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस बैठक में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अर्जुन मोढवाडिया उपस्थिति थे। यह जानकारी आज राज्य सूचना विभाग ने अपने बयान में दी।

कांग्रेस और राजद बिहार के विकास के ग्रहण : योगी आदित्यनाथ

मुजफ्फरपुर,03 नवम्बर 2025(ए)। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सोमवार को मुजफ्फरपुर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और राजद पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस बिहार के विकास के ग्रहण हैं, जिन्होंने राज्य की पहचान को तार-तार कर दिया था। योगी आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि 1992 से 2005 के बीच बिहार जातीय हिंसा, अपहरण और माफिया राज से त्रस्त था। उस दौरान बिहार में जाति के नाम पर समाज को बांटने का गंदा खेल खेला गया था, जिसने राज्य को नरसंहारों और अपराध की आग में झोंक दिया। उन्होंने याद दिलाया कि राजद शासनकाल में 60 से अधिक जातीय नरसंहार की घटनाएं हुई और 30 हजार से ज्यादा अपहरण हुए।

भारत तकनीक से बदलाव लाने का लीडर

1 लाख करोड़ की स्कीम लॉन्च की : पीएम मोदी

कहा...हमारे पास सबसे सफल डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर

नई दिल्ली,03 नवम्बर 2025(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के बने भारत मंडपम में इमर्जिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी इनोवेशन कॉन्क्लेव 2025 में शामिल होने पहुंचे। इस दौरान देश में रिसर्च एंड डेवलपमेंट इकोसिस्टम को बढ़ाने के लिए एक लाख करोड़ रुपए की रिसर्च डेवलपमेंट एंड इनोवेशन (आरडीआई) स्कीम फंड लॉन्च किया।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत अब केवल टेक्नोलॉजी का कन्ज्यूमर नहीं रह गया है। वह टेक्नोलॉजी के जरिए ट्रांसफॉर्मेशन का पायोनियर बन गया है। दुनिया का सफल डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रकचर भारत के पास है।

कॉन्क्लेव 5 नवंबर तक चलेगा। इसमें एजुकेशन, रिसर्च, उद्योग से जुड़े 3,000 से ज्यादा प्रतिभागी, नोबेल पुरस्कार विजेता, प्रख्यात वैज्ञानिक, इनोवेटर्स और पॉलिसी मेकर्स शामिल हो रहे हैं।

सहयोग के लिए मिलेगा प्लेटफॉर्म

प्रमुख वैज्ञानिकों की पैनल चर्चाएं,प्रस्तुतियां और टेक्नोलॉजी प्रदर्शन होंगे,जो भारत के साइंस और टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए शोधकर्ताओं,उद्योग और युवा इनोवेटर्स के बीच सहयोग के लिए एक मंच प्रदान करेंगे।

पीएम मोदी की स्पीच की बड़ी बातें...

जब विज्ञान का पैमाना मिलता है,जब नवाचार समावेशी हो जाता है,जब प्रौद्योगिकी परिवर्तन को प्रेरित करती है,तब बड़ी उपलब्धियों की नींव रखी जाती है। हम रिसर्च को आसान बनाने पर फोकस कर रहे हैं ताकि भारत में नवाचार का एक मॉडर्न इकोसिस्टम डेवलप हो सके। आज भारत के पास दुनिया का सबसे सफल डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर है। भारत एथिकल और ह्यूमन सेंट्रिक एआई के लिए ग्लोबल फ्रेमवर्क को आकार दे रहा है।

11 सेक्टर्स पर चर्चा होगी

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार,विचार-विमर्श 11 प्रमुख सेक्टरों पर केंद्रित होगा। इसमें एडवांस मैटेरियल्स एंड मैन्युफैक्चरिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस,बायो-मैन्युफैक्चरिंग,ब्लू इकॉनमी, डिजिटल कम्युनिकेशन शामिल हैं। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग, उभरती एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी, एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट,हेल्थ एंड मेडिकल टेक्नोलॉजी,क्वांटम साइंस एंड टेक्नोलॉजी और स्पेस टेक्नोलॉजी सेक्टर पर भी चर्चा की जाएगी।

भारत ने रचा इतिहास : पहली बार महिला वनडे वर्ल्ड कप किया अपने नाम,बीसीसीआई ने भारतीय टीम को 51 करोड़ देने का ऐलान किया

नई दिल्ली,03 नवम्बर 2025(ए)। भारत की महिला क्रिकेट टीम ने रविवार, 2 नवंबर को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स एकेडमी में खेले गए वनडे वर्ल्ड कप 2025 के फाइनल मुकाबले में साउथ अफ्रीका को 52 रनों से हराकर इतिहास रच दिया। इस जीत के साथ भारतीय महिला टीम ने पहली बार विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। वहीं, साउथ अफ्रीका का पहला खिताब जीतने का सपना एक बार फिर टूट गया। फाइनल में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मजबूत स्कोर खड़ा किया और शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन से साउथ अफ्रीकी टीम को लक्ष्य से काफी पीछे रोक दिया। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में यह जीत भारतीय महिला क्रिकेट के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बन गई।

बीसीसीआई ने की इनाम की घोषणा : भारतीय टीम की इस ऐतिहासिक जीत के बाद खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ पर इनामों की बारिश हो रही है। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम के लिए 51 करोड़ रुपये की प्राइज मनी की घोषणा की है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि महिला टीम को पहली बार इतनी बड़ी इनामी राशि दी जा रही है।

बिहार में भारी बहुमत से राजग की सरकार बनेगी कांग्रेस-राजद का सूपड़ा साफ हो जाएगा : अमित शाह

पटना/शिवहर,03 नवम्बर 2025(ए)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को शिवहर और सीतामढ़ी जिले में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवारों के पक्ष में चुनावी सभा को सम्बोधित किया और लोगों से उनके पक्ष में मतदान करने की अपील की। इन सभाओं के दौरान उन्होंने राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का जिक्र किया और विपक्षी महागठबंधन पर जमकर निशाना साधा। जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, मैं अभी यहीं से बिहार चुनाव का रिजल्ट बता देता हूं। 14 नवंबर को दोपहर 1 बजे तक लालू-राहुल की पार्टी का सूपड़ा साफ हो जाएगा। बिहार में भारी बहुमत से राजग की सरकार बन रही है। अमित शाह ने कहा, लालू यादव अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं और सोनिया गांधी अपने बेटे को प्रधानमंत्री,लेकिन मैं आज बिहार की धरती से कहता हूं न लालू जी का बेटा बिहार का मुख्यमंत्री बनेगा और न ही सोनिया जी का बेटा देश का प्रधानमंत्री। क्योंकि बिहार में नीतीश जी हैं और देश में मोदी जी हैं। अमित

शाह ने कहा कि नीतीश-मोदी की जोड़ी ने बिहार को जंगलराज से मुक्ति दिलाई है और देश को परिवारवाद की राजनीति से मुक्ति दिलाई है। राजग की राजनीति सेवा और विकास की है, जबकि विपक्ष की राजनीति स्वार्थ और परिवार की। अमित शाह ने महागठबंधन पर तंज कसते हुए कहा कि महाठगबंधन में न तो कोई नेता है और न ही कोई नीति। इन लोगों को खुद नहीं मालूम कि कौन किस सीट से लड़ रहा है। जनता अब ऐसे बेमेल गठबंधनों को पहचान चुकी है, जो सिर्फ कुर्सी के लिए एक होते हैं और चुनाव खत्म होते ही एक-दूसरे पर आरोप लगाने लगते हैं। अमित शाह ने घोषणा की कि जिस दिन सीतामढ़ी में देवी सीता के मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा होगी, उसी दिन हम सीतामढ़ी से अयोध्या के लिए वंदे भारत ट्रेन का भी शुभारंभ करेंगे। अयोध्या आने वाले लोग सीतामढ़ी भी जाएंगे और इससे बिहार के पर्यटन को बहुत लाभ होगा। गृहमंत्री शाह ने कहा कि राहुल गांधी ने अभी-अभी छठी मैया का अपमान किया है। राहुल गांधी,मोदी जी का अपमान करके आपने छठी मैया का अपमान किया है। जब भी आप लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का अपमान किया है, जनता ने आपको हराकर जवाब दिया है। इस बार, मोदी के साथ-साथ आपने छठी मैया का अपमान किया है। आने वाले चुनावों में सीतामढ़ी की जनता को यह याद रखना चाहिए। अमित शाह ने दावा किया कि संयुक्त प्रगलिशील गठबंधन की सरकार के दौरान 10 वर्षों में बिहार को केवल 2 लाख 80 हजार करोड़ रुपये दिए गए थे।

अनिल अंबानी की 3000 करोड़ की 40 प्रॉपर्टीज जब्त,पाली हिल वाला घर भी शामिल, इसमें हेलीपैड से लेकर जिम और लाउंज

मुंबई,03 नवम्बर 2025(ए)। प्रवर्तन निदेशालय ने अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप से जुड़ी 40 से ज्यादा प्रॉपर्टीज को अटैच कर दिया है। प्रॉपर्टीज में अनिल अंबानी का पाली हिल वाला घर भी है। अटैच की गई प्रॉपर्टीज की कुल वैल्यू 3,084 करोड़ रुपए बताई जा रही है। ये एक्शन मनी लॉन्ड्रिंग केस में लिया गया है, जिसमें यस बैंक से लिए लोन का फंड

डायवर्जन का मामला शामिल है। ईडी का कहना है कि ये पब्लिक मनी रिकवर करने के लिए जरूरी है। प्रॉपर्टी अटैच करने का ये आदेश 31 अक्टूबर 2025 को पीएमएलए की धारा 5(1) के तहत जारी किया गया था। प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट ब्लैक मनी को रोकने के लिए 2002 में बना था। इसमें प्रॉपर्टी अटैचमेंट से लेकर कोर्ट ट्रायल तक सब कवर होता है। ईडी ने 24 जुलाई को अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप से जुड़े 35 से ज्यादा ठिकानों और करीब 50 कंपनियों पर छापेमारी की थी। इसके बाद 23 अगस्त को सीबीआई ने भी अनिल अंबानी के घर पर छापेमारी की थी। ईडी ने 24 जुलाई को अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप से जुड़े 35 से ज्यादा ठिकानों और करीब 50 कंपनियों पर छापेमारी की थी। इसके बाद 23 अगस्त को सीबीआई ने भी अनिल अंबानी के घर पर छापेमारी की थी। ईडी ने अपनी जांच में पाया है कि रिलायंस होम फाइनेंस और रिलायंस कॉमर्शियल फाइनेंस में बड़े पैमाने पर फंड्स का गलत इस्तेमाल हुआ। 2017 से 2019 के बीच यस बैंक ने RHFL में 2,965 करोड़ और रिलायंस कॉमर्शियल फाइनेंस में 2,045 करोड़ का इन्वेस्टमेंट किया था। लेकिन दिसंबर 2019 तक ये अमाउंट नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स बन गए।

संपादकीय

भारत-अमेरिका समझौता जरूरी

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग दो घंटे से भी कम समय तक चली अल्पकालिक बैठक के बाद दोनों देशों के बीच व्यापारिक तनाव से निपटने और शांति कायम करने पर सहमत हो गए। इसमें अमेरिका के लिए और खास तौर पर ट्रंप के लिए शायद ही फायदे की कोई बात थी। बल्कि इससे शी की वह बात सही साबित हो गई कि वह व्यापार के मामले में रत्ती भर समझौता नहीं करेंगे। अपनी दुर्लभ धातुओं के निर्यात पर लगाए प्रतिबंध और लाइसेंसिंग की जरूरतें खत्म करने के बदले चीन भारी-भरकम शुल्क टालने में कामयाब रहा है। इस तरह सबंधों में कुछ नया नहीं हुआ है बल्कि ठहराव भर आया है। यह बराबरी का लेनदेन भी नहीं है क्योंकि निर्यात प्रतिबंध तो तब लगाए गए थे,जब अमेरिका ने शुल्क बढ़ाए थे। चीन ने अमेरिकी किसानों से 2.5 करोड़ टन सोयाबीन खरीदने पर भी सहमति जताई। परंतु यह मात्रा पिछले साल यानी ट्रंप के राष्ट्रपति बनने और कारोबारी जंग छेड़ने के पहले की गई खरीद से कम है। चीन इसके बदले अमेरिका को किए जाने वाले निर्यात पर 100 फीसदी का दंडात्मक शुल्क नहीं देगा। नई शुल्क दर 47 फीसदी होगी जो अब भी बहुत अधिक है लेकिन भारत पर लगे शुल्क से कम है। दूसरे शब्दों में कहें तो चीन ने ट्रंप के हाथों कुछ गंवाए बगैर अपने ऊपर लगा शुल्क आधा करवा लिया। दुर्लभ धातुओं और चुंबकीय तत्त्वों के निर्यात पर प्रतिबंधों को रोका जाना दुनिया के कई देशों के लिए राहत की बात है। इनमें यूरोपीय संघ और भारत भी शामिल हैं जो दोनों महाशक्तियों की लड़ाई में फंस गए हैं। शी चिनफिंग ने नपे-तुले तरीके से जता दिया कि इन धातुओं के बगैर उच्च तकनीक पर आधारित कोई भी निर्माण नहीं हो सकता और दुनिया को अगर इनकी जरूरत है तो देशों के पास चीन के अलावा कोई और विकल्प नहीं है।

इसके लिए जल्द ही अतिरिक्त स्रोत विकसित करने होंगे लेकिन तथ्य यह है कि इस आपूर्ति श्रृंखला में चीन के दबदबे को 2010 से ही महसूस किया जा रहा है,जब इसने जापान के विरुद्ध ऐसे ही प्रतिबंधों का इस्तेमाल? किया था। इसे हल करने के लिए राष्ट्रीय या बहुराष्ट्रीय स्तर पर कोई कदम नहीं उठाए गए। शी ने अपना तुरुप का पत्ता दिखा दिया है और अब उसकी टक्कर तैयार करने का वक्त आ गया है। दोनों देशों के बीच शांति का मतलब भारत के लिए यह होगा कि उसके निर्यातकों पर अमेरिका का ऊंचा यानी 50 फीसदी का शुल्क झेलना होगा। भारत के मुकाबले चीन के साथ समझौता करने की बेताबी अमेरिका में ज्यादा दिखी लेकिन अगर शर्तें अधिक आकर्षक बनाई गईं तो हालात बदल सकते हैं। अगर प्रधानमंत्री अपनी व्यक्तिगत कूटनीति का प्रयोग करें तो ऐसा हो सकता है। निश्चित तौर पर एक या दो ऐसे संकेतक हैं जो बताते हैं कि द्विपक्षीय रिश्ते इतने नहीं बिगड़े हैं कि सुधर न सकें। उदाहरण के लिए अमेरिका ने ईरान के रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण चाबहार बंदरगाह पर लगे प्रतिबंधों से भारत को दी गई छूट पहले रोक दी थी मगर अब पता चला है कि उस छूट को छह महीने के लिए और बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा पिछले सप्ताह भारत और अमेरिका ने रक्षा सहयोग पर एक दशक लंबा समझौता भी किया। इससे साफ है कि दोनों देशों की साझेदारी में भरोसा रखने वाले लोग अब भी मिलकर काम कर सकते हैं। यही जज्बा अब व्यापार में भी लाना पड़ेगा। भारत पर ऐसे शुल्क लगने की कोई वजह ही नहीं है। बताया जा रहा है कि भारतीय पक्ष अमेरिका के वार्ताकारों से लगातार संपर्क में है और दोनों देशों को सारे पुराने मसले फौरन सुलझाकर एक-दूसरे के लिए फायदेमंद व्यापारिक समझौता कर लेना चाहिए।

धर्म-स्थलों के हादसें-आखिर कब जागेगा तंत्र?

धार्मिक स्थल आस्था के केंद्र होते हैं,ऊर्जा के केन्द्र होते हैं,जहां लोग शांति और श्रद्धा पाने आते हैं, लेकिन यह कैसी विडंबना है कि इन पवित्र स्थलों पर भी लोगों को असमय मृत्यु का सामना करना पड़ता है। श्रीकाकुलम में जो कुछ हुआ, वह केवल एक दुर्घटना नहीं,बल्कि एक प्रणालीगत विफलता है। भीड़ प्रबंधन के नाम पर प्रशासन हर बार हाथ खड़े कर देता है। न पर्याप्त बैरिकेडिंग,न एंट्री-एग्जिट का संतुलन,न भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त पुलिसबल या वॉलंटियर, न मेडिकल सहायता का इंतजाम। मन्दिरों,त्योहारों और विशेष अवसरों पर श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ के बावजूद तैयारी का नामोनिशान नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। श्रीकाकुलम में वेंकटेश्वर स्वामी का यह मंदिर कुछ महीने पहले ही खोला गया था और राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि जिले के अधिकारियों को इसके बारे में जानकारी नहीं थी। हालांकि इससे यह जवाबदेही खत्म नहीं हो जाती कि एक धार्मिक स्थल पर क्षमता से कई गुना ज्यादा लोग जुटते चले गए और फिर भी स्थानीय पुलिस-प्रशासन को भनक कैसे नहीं लगी।

ललित गर्ग

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम में वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में मची भगदड़ में हुई दर्दनाक मौतों ने एक बार फिर हमारे प्रशासनिक ढांचे, सरकारों की संवेदनशीलता और तंत्र की जवाबदेही पर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं। हर बार ऐसी त्रासदी होती है, कुछ जानें जाती हैं, कुछ परिवार उजड़ते हैं, कुछ आंसू बहते हैं- फिर वही रटंत बयान, 'जांच के आदेश दे दिए गए हैं', 'दोषियों पर कार्रवाई होगी','पीड़ित परिवारों को मुआवजा दिया जाएगा' और फिर सब कुछ धूल में मिल जाता है। सवाल यह है कि आखिर हम कब तक इस लापरवाही, इस प्रशासनिक नींद, इस जानलेवा कोताही और इस संवेदनहीन व्यवस्था का शिकार बने रहेंगे? किसी धार्मिक स्थल पर भगदड़ की यह पहली घटना नहीं, लेकिन अफसोस है कि पुरानी गलतियों से सबक नहीं लिया जा रहा। ऐसी त्रासद, विडम्बनापूर्ण एवं दुखद घटनाओं के लिये मन्दिर प्रशासन और सरकारी प्रशासन जिम्मेदार है, एक बार फिर भीड़ प्रबंधन की नाकामी श्रद्धालुओं के लिये मौत का मातम बनी, चीख, पुकार और दर्द का मंजर बना। इस घटना के बाद जिस तरह से बयान दिए जा रहे हैं, वह पीड़ितों के जले पर नमक छिड़कने जैसा है। सरकार और मंदिर प्रबंधन की बातों से लग रहा है कि दोनों पक्ष घटना से पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। मंदिर का निर्माण ओडिशा के जिस शख्स हरि मुकुंद पांडा ने कराया है, उनका कहना है कि सीढ़ियों की रेलिंग टूटने से हादसा हुआ। लेकिन, यही वजह तो काफी नहीं। भगदड़ मचने के बाद श्रद्धालुओं को बाहर जाने का रास्ता नहीं मिल पाया, वह व्यवस्थापकों की लापरवाही का नतीजा है। मंदिर में आने-जाने का एक ही रास्ता था और जब भीड़ अनुमान से अधिक बढ़ती चली गई, तब भी पुलिस-प्रशासन को सूचित नहीं किया गया। इस पर पांडा का कहना कि इस घटना के लिए कोई जिम्मेदार नहीं, यह एक्ट ऑफ गॉड है-इक्कीसवीं सदी के वैज्ञानिक युग में इस तरह की सोच बेहद शर्मनाक है। यह उन लोगों की पीड़ा का मजाक उड़ाने जैसा है,जिन्होंने अपनों को खोया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक मामला है,जहां भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन एवं सत्ता का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है। श्रीकाकुलम के मातम, हाहाकार एवं दर्दनाक मंजर ने सुरक्षा व्यवस्था की पोल ही नहीं खोली बल्कि सत्ता एवं धार्मिक व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे को भी बेनकाब किया है। हर बार जांच, कठोर कार्रवाई करने, सबक सीखने की बातें की जाती हैं, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला है। न तो शासन-प्रशासन कोई सबक सीख रहा है और न ही आम जनता संयम एवं अनुशासन का परिचय देने की आवश्यकता समझ रही है। भगदड़ की घटनाओं का सिलसिला कायम रहने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की बदनामी भी होती है, क्योंकि इन घटनाओं से यही संदेश जाता है कि भारत का शासन-प्रशासन भगदड़ रोकने में पूरी तरह नाकाम है। सार्वजनिक स्थलों पर भगदड़ की घटनाएं दुनिया के अन्य देशों में भी होती है, लेकिन उतनी नहीं जितनी अपने देश में होती ही रहती हैं।

यह कोई पहली घटना नहीं है। अतीत में प्रयागराज कुंभ,अयोध्या,हरिद्वार में प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर, सबरीमला, वैष्णो देवी, पुलकेश्वरम, देवरी मंदिर जैसे अनेक स्थलों पर भी ऐसी भगदड़ें हो चुकी हैं। चिंता की बात यह है कि पिछले हादसों से कोई सबक सीखने को तैयार नहीं है। केवल आंध्र में ही इस साल यह तीसरी बड़ी दुर्घटना है। जनवरी में तिरुपति और अप्रैल में विशाखापत्तनम के सिम्हाचलम में भगदड़ से कई मौतें हुई थीं। पूरे देश में इस साल अभी तक भगदड़ की विभिन्न घटनाओं में 114 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। हर बार सरकारें 'सीख लेने' की बात करती हैं, लेकिन हकीकत यह है कि सीखने की क्षमता हमारे तंत्र से जैसे गायब हो चुकी है। धार्मिक आयोजनों की भीड़ का अनुमान लगाना मुश्किल नहीं होता। आज तकनीक का युग है सीसीटीवी, ड्रोन, डिजिटल टिकटिंग, भीड़-सेंसरिंग सिस्टम जैसी आधुनिक व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। परंतु इनका उपयोग नहीं किया जाता क्योंकि धर्म और आस्था के नाम पर 'प्रबंधन' को हमेशा भाग्य पर छोड़ दिया जाता है। जब तक कोई हादसा न हो, तब तक कोई अधिकारी मंदिर परिसर में झांकने तक नहीं आता। और जब हादसा हो जाता है, तब 'प्रेस कॉन्फ्रेंस' और 'मुआवजा' की राजनीति शुरू हो जाती है। यह भी एक सामाजिक प्रश्न है कि क्या हमारी आस्था इतनी अंधी हो चुकी है कि हम सुरक्षा नियमों की अनदेखी कर देते हैं? क्या धार्मिक आयोजनों में अनुशासन और व्यवस्था का पालन करना हमारी श्रद्धा को कम कर देगा? श्रद्धा के नाम पर अराजकता,प्रशासनिक ढिलाई और अव्यवस्था का यह घातक संगम अब रुकना चाहिए। सरकारों को चाहिए कि वे भीड़ प्रबंधन को एक राष्ट्रीय नीति का हिस्सा बनाएं।

हर बड़े धार्मिक स्थल पर स्थायी भीड़ नियंत्रण तंत्र विकसित किया जाए, जिसमें प्रवेश और निकास मार्ग स्पष्ट हों, आपातकालीन निकास गेट हों, प्रशिक्षित स्वयंसेवक हों, मेडिकल टीम और एम्बुलेंस की व्यवस्था हो। स्थानीय प्रशासन को नियमित तौर पर सुरक्षा मॉक ड्रिल करनी चाहिए। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है। आज जरूरत है केवल मुआवजे और जांच की नहीं, बल्कि जवाबदेही तय करने की। कौन अधिकारी लापरवाह था, किस विभाग ने सुरक्षा प्रोटोकॉल की अनदेखी की, और क्यों भीड़ को अनियंत्रित छोड़ा गया-इन प्रश्नों का उत्तर दिए बिना जांच बेईमानी है। श्रीकाकुलम की यह त्रासदी एक और चेतावनी है। अगर अब भी सरकारें नहीं जागीं, तो आने वाले दिनों में ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी, क्योंकि धार्मिक आस्था बढ़ रही है, पर प्रबंधन की मानसिकता वही पुरानी बनी हुई है। भीड़ केवल संख्या नहीं होती, वह जीवन है, वह परिवार है, वह उम्मीद है और जब वह कुचल जाती है, तो यह केवल एक हादसा नहीं,शासन की असफलता एवं सरकारी कोताही की द्योतक है। तमिलनाडु के करूर में तमिल सिनेमा के सुपरस्टार थलपति विजय की रैली में हुआ हादसा हो या फिर श्रीकाकुलम की घटना - कुछ गलतियां बार-बार दोहराई जा रही हैं। हादसों के बाद सबक लेने के बजाय जिम्मेदार लोग और संस्थाएं बचने का रास्ता तलाशने लगते हैं। सरकारों को समझना होगा कि भीड़ प्रबंधन भारत जैसे देश की जरूरत है। मुआवजे की घोषणा करके मामले को हल्का किया जा सकता है, लेकिन जवाबदेही तय हो और लापरवाही पर सजा मिले। क्या यह पुकार अब भी सत्ता के कानों तक नहीं पहुंचेगी?

पलटूराम की अवसरवादी राजनीति का अंत होना तय

संजय पराते

कांग्रेस की अहंकारी राजनीति से जो झटका महागठबंधन को लगने के आसार बन गए थे, महागठबंधन की जीत के बाद तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाने की सहमति की घोषणा के बाद उस पर रोक लग गई है। दूसरी ओर, भाजपा ने एनडीए गठबंधन की ओर से यह साफ कर दिया है कि उसके मुख्यमंत्री का चयन चुनाव के बाद ही होगा। साफ मतलब है कि आज भले ही नीतीश के चेहरे को सामने रखकर भाजपा चुनाव लड़ रही है, लेकिन यदि एनडीए जीतता है,जिसके आसार बहुत कम नजर आ रहे हैं, तो नीतीश का मुख्यमंत्री बनना तय नहीं है। नीतीश कुमार अब जिस फंदे में फंस गए हैं, उससे बाहर निकलना अब उनके लिए संभव नहीं है और चुनाव के बाद यदि वे ऐसी कोशिश करते हैं, तो उनकी पार्टी ही उनको दूध में पड़ी मक्खी की तरह निकाल बाहर फेंकेगी। भाजपा ने जद(यू) को निगलने की पूरी तैयारी कर ली है। तेजस्वी के मुख्यमंत्री होने की घोषणा के बाद नीतीश कुमार के पलटी मारने के मौके भी खत्म हो गए है। नीतीश का भविष्य अब भाजपा-आरएसएस ने तय कर दिया है और चुनाव के नतीजे चाहे इस ओर जाएं या उस ओर, एक नतीजा बहुत ही स्पष्ट है कि बिहार को 'सुशासन बाबू' की 'पलटूराम की राजनीति' से मुक्ति मिलने जा रही है। बिहार की आम जनता ने भी यह तय कर लिया है, जो पिछले कई सालों से नीतीश कुमार की अवसरवादी राजनीति को झेल रही है। यह वही नीतीश कुमार हैं,जिन्होंने भाजपा जैसी सांप्रदायिक, भ्रष्ट और आपराधिक पार्टी को, जिसका रथ लालू ने रोक दिया था, को बिहार में पैर जमाने का मौका दिया है। पिछले चुनाव में महागठबंधन और एनडीए के बीच मात्र 12-13 हजार वोटों का ही अंतर था, लेकिन इस अंतर के कारण एनडीए की 15 सीटें बढ़ गई थीं। कई सीटों पर मतगणना में प्रशासन द्वारा भाजपा के पक्ष में धांधली करने के आरोप भी लगे थे। लेकिन चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) करने के आदेश के बाद जो हो-हल्ला हुआ और पूरे देश भर से जो चीजें सामने आई,उससे यह बात स्पष्ट हो चुकी है कि पिछले लोकसभा चुनाव सहित अभी तक भाजपा को मिली जीतों में चुनाव आयोग और विभिन्न प्रकार की सुनियोजित धांधलियों का बड़ा योगदान रहा है। इस पोल पट्टी के खुलने से भाजपा की चमक और धमक पर बहुत असर पड़ा है और आम जनता की नजरों में, वास्तव में,भाजपा की राजनैतिक साख गिरी ही है। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप और आम जनता में फैली जागरूकता के बाद अब सत्ता पक्ष द्वारा बिहार चुनाव में बड़े पैमाने पर धांधली किए जाने की संभावना कम ही हुई है। इसका सीधा असर भाजपा-जदयू खेमे के चुनाव नतीजों पर पड़ेगा। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी कि पांच साल पहले 12-13 हजार वोटों का अंतर इस बार महागठबंधन के पक्ष में 12-13 लाख वोटों के अंतर में बदला हुआ दिख जाएं। इन पांच सालों में गंगा में बहुत पानी बह चुका है। बिहार में गंगा नदी की लंबाई 445 किमी. है और यह नदी राज्य के बीचों बीच बहती है। जिन जिलों से होकर गंगा बहती है,उनमें राज्य के प्रमुख 12 जिले-बक्सर,भोजपुर,सारण,पटना, वैशाली,समस्तीपुर,बेगुसराय,मुंगेर,खगड़िया, कटिहार,भागलपुर और लखीसराय-आते हैं। इन सभी जिलों में भाजपा-जद(यू) गठबंधन की हालत खराब है। हालत इतनी खराब है कि यदि प्रधानमंत्री मोदी यहां आकर 'मां गंगा ने बुलाया है' का नारा लगाए, तब भी मां गंगा शायद ही उनकी कोई मदद करने को तैयार हो। इस बार मां गंगा का आशीर्वाद महागठबंधन के साथ दिख रहा है। अब इसे प्रधानमंत्री अपनी ओछी भाषा में महाठगबंधन कहे या महालठबंधन,या उसके साथ जुड़े दलों को अटक-झटक-भटक-लटक दल,या कुछ और ही क्यों न कहें। आम जनता जानती है कि आज नीतीश-मोदी का गठबंधन ही 'महालूटबंधन' है, जो दाना और जाल फैलाकर शिकार की ताक में बैठा है। पिछली बार महागठबंधन की हार का एक बड़ा कारण यह था कि कांग्रेस ने अपनी औकात से ज्यादा 70 सीटों पर चुनाव लड़ा था,लेकिन जीत हासिल की थी सिर्फ़ 19 पर। वामपंथी दलों ने बहुत कम सीटों पर चुनाव लड़ा था और उसकी जीत की दर कांग्रेस से लगभग दुगुनी थी। संदेश साफ था कि वामपंथी दलों को यदि ज्यादा सीटें आबंटित की जाती, तो चुनाव के नतीजे महागठबंधन के पक्ष में पलट भी सकते थे। लेकिन कांग्रेस ने इस संदेश को ग्रहण नहीं किया और कुछ सीटों पर वामपंथी दलों के साथ और राजद के साथ टकराव की स्थिति बनी है। इससे भाजपा के खिलाफ लड़ने का और धर्मनिरपेक्षता के लिए लड़ने की कांग्रेस की समझदारी पर सवाल ही खड़े हुए हैं। बिहार में कांग्रेस और वामपंथ का चुनावी जनाधार लगभग बराबर है। लेकिन ज्यादा सीटों पर लड़ने की इस बार भी वामपंथ ने ललक नहीं दिखाई है और इस बार वामपंथ पहले से कहीं ज्यादा एकजुटता और मजबूती के साथ लड़ रहा है और पिछली बार की तुलना में वामपंथ की बहार और ज्यादा दिख रही है। वामपंथ की ज्यादा सफलता महागठबंधन के टिकाऊ भविष्य के लिए जरूरी है। एसआईआर का मुद्दा चुनाव में गायब हुआ दिख रहा है,जबकि 'वोटर अधिकार यात्रा' में यही मुद्दा केंद्र में था। सुप्रीम कोर्ट द्वारा चुनाव आयोग को आधार कार्ड को स्वीकार करने का निर्देश देने और इस आधार पर काटे गए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने के आयोग के फैसले के बाद यह मुद्दा पृष्ठभूमि में चला गया है। लेकिन एसआईआर के जरिए बड़े पैमाने पर पात्र मतदाताओं को, जिनमें से अधिकांश सामाजिक-आर्थिक रूप से कमजोर आदिवासी, दलित और पिछड़े समुदाय के गरीब वर्ग के लोग हैं।

बेटी की दाम्पत्य जीवन पर हस्तक्षेप का साधन बना मोबाइल

लक्ष्मीनारायण सेन

आज का युग आधुनिक युग है और पूरी दुनिया आज आधुनिकता के मार्ग में चलने के लिए सब के सब तैयार है।इसी श्रेणी में एक मोबाइल है। मोबाइल हर व्यक्ति के लिए महत्वपूर्ण संसाधन है। मोबाइल महज एक दूजे का केवल सम्प्रेषण का ही साधन नहीं बल्कि और कई अन्य महत्वपूर्ण कार्य है जो मोबाइल द्वारा घर बेठ ही सम्पन्न हो जाता है।पर आज मोबाइल मां-बेटी के मध्य एक नारद मुनि का कार्य करने वाले एक महत्वपूर्ण संसाधन बन गया है। मोबाइल कहीं ना कहीं बेटी की दाम्पत्य जीवन में हस्तक्षेप करने वाला एक सहज संसाधन बन बैठा है रोज माताएं मोबाइल के माध्यम से बेटी की पति और उसके ससुराल वालों की सारे गतिविधियों के बारे जायजा लेती है?,और बेटी को सकारात्मक बातें ना सीखा कर नकारात्मक बातें सीखाती है, जैसे सारे काम तुम ही करते हो, तुम्हारे सास क्या करते, तुम्हारे जेठानी क्या करते,और तुम्हारे ननद क्या करते?।काम ज्यादा हो रहा है बेटा तुम्हारा,तुम रोज के रोज थक जाती हो ?। इससे अच्छा तुम दमाद के साथ अलग क्यों नहीं रहते। यह बात बेटी और मां के लिए कितना सहज हो जाता है पर यह मां एक क्षण यह नहीं सोचती की वह भी किसी बहू की सास होगी।यह बात जब बेटी की पति के पास पहुंचता है तो उस शख्स (पति) का क्या हाल होता होगा सोचिए।कल पत्नी, बहू, या भाभी के बनकर आयी है वह घर को परिवार को अपने स्वार्थ के खातिर बांटना चाहती है। घर विभाजन या परिवार विभाजन का बात यदि पति सहज रूप से मान लेता है तो कोई बात नहीं पर यदि पति, पत्नी की इस बात को स्वीकार नहीं करता है तो पति पत्नी के बीच तकरार प्रारंभ हो जाता है।इसी दरम्यान बेटी की मां आग में घी डालने का कार्य करती है, और बेटी को कहती है, बेटा तू ससुराल छोड़ हमारे पास आ जाओ,बेटी मां का प्रश्रय पाकर ससुराल छोड़ मायके चली जाती है। मायके में रहते रहते मां और बेटी ससुराल और पति के कार्यों में हस्तक्षेप करने का प्रयास करती है या नाजायज बात को मानने के लिए विवस करती है और जब सफल नहीं होती तो वह वकील और न्यायलय की ओर रूख करती है। वकील जानता है की आज की परिवेश में पति के द्वारा पत्नी को प्रताड़ित करना आसान नही है फिर भी वह पति के खिलाफ झूठा मुकदमा दायर करने के लिए प्रेरित करता है, क्योंकि इसमें वकील की गलती नहीं है।वकील का तो कार्य ही है गलत को सही और सही को दलीलों के माध्यम से गलत साबित करना। यहां पर यदि माननीय न्यायालय यदि पुनर दाम्पत्य स्थापित करने का प्रयास करता है और यदि लड़का पक्ष तैयार हो जाता है तो लड़की की दाम्पत्य जीवन बच जाती हैं ,नही तो दोनों की दाम्पत्य जीवन बेवजह तबाह हो जा है। पहले मोबाइल का जमाना नहीं हुआ करता था फलस्वरूप बेटी का सम्पर्क लम्बे अरसे के बाद मायके से होता था। ससुराल वालें ही अपने बहू का ख्याल बखूबी रखते थे,और ससुराल और मायके के मध्य कोई शिकायत नहीं होता था । सहज और सरल मधुर संबंध हुआ करता था,पर आज ओ मिठास बहुत कम देखने को मिलता है।

अर्पित पाठक

साहित्यिक संवेदना पर आघात अवैधानिक फर्जी साहित्य समूह

यह कैसा दौर आ गया है साहित्य का...जहाँ शब्द,संवेदना और सृजन की पवित्र भूमि पर कुछ अवैधानिक, अवसरवादी और ओछे लोग अपने नीच स्वार्थों के लिए खुलेआम जाल बिछाए बैठे हैं। ये वो तीसरा,घिनौना और दलाल किस्म का व्यक्ति है,जो कलमकारों के सपनों का सौदा कर रहा है। लेखकों की मेहनत की कमाई को 'किताब छपवाने' के नाम पर डकारना,और फिर उन्हें ही कूड़े के भाव की, कम गुणवत्ता वाली,सस्ती कीमत की रद्दी थमा देना–यह सिर्फ धोखाधड़ी नहीं,यह साहित्य के मर्म पर किया गया सीधा वार है! 'ठगी' का कच्चा चिट्ठा यह आदमी नहीं, साहित्यिक भेड़िया है, जो मासूम लेखकों को मीठी बातों और सुनहरे ख्वाबों का चारा डालकर उनके पैसे ऐंठता है। फिर शुरू होता है सस्तेपन और धोखे का वो खेल, जिसे देखकर कोई भी सच्चा साहित्य-प्रेमी सिर धुन लेगा। **पैसा आपका,रद्दी उनकी :** लेखक अपनी जीवन भर की पूंजी और सपनों को सौंपता है, और बदले में उसे मिलती है किसी गुमनाम,घटिया प्रेस से छपी, जिसकी छपाई ऐसी कि दो दिन में पन्ने उखड़ जाएँ। यह छपाई नहीं, लेखक के आत्मविश्वास पर किया गया 'काला पेंट' है! प्रमाण पत्र नहीं, 'प्रमाणित धोखा': सबसे बड़ा तमाशा है इनके तथाकथित 'प्रमाण-पत्र' का। वह कागज का टुकड़ा नहीं,फर्जीवाड़े का घोषणापत्र होता है! एक संस्था का नाम,किसी दूसरी संस्था का लोगो,और ISBN किसी तीसरी, शायद अस्तित्वहीन संस्था से लिया गया! जब ऑनलाइन जाकर कोई लेखक इसे सत्यापित करने की कोशिश करता है, तो सामने आती है झूठ की एक बदबूदार हकीकत! ISBN का मज़ाकः वे उस विशिष्ट ISBN (इंटरनेशनल स्टैंडर्ड बुक नंबर) को भी नहीं बख्शते, जो किसी भी किताब की प्रामाणिकता और वैश्विक पहचान का आधार है। नकली ISBN लगाकर ये लोग न केवल लेखक को, बल्कि पूरी प्रकाशन व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हैं! **'रचना-जुटाऊ' का नग्न नृत्य :** इस पूरी ठगी का सूत्रधार, वह 'रचना जुटाने वाला' दलाल, जो लेखकों के पैसों से बचा हुआ अतिरिक्त लाभ अपनी जेब में भरता है। जैसे ही उसका धंधा पूरा होता है,जैसे ही उसके कुकर्मों पर सवाल उठने शुरू होते हैं,वह बिना किसी शर्म या संकोच के सबको ब्लॉक कर देता है! यह उसकी कायरता और पेशेवर ठगी का सबसे बड़ा प्रमाण है। यह शर्मनाक है ! हम किस युग में जी रहे हैं, जहाँ साहित्य भी एक गंदा व्यापार बन गया है? जहाँ शब्दों के पुजारी, कलम के सिपाही ठगों के आगे लाचार खड़े हैं? ये अवैधानिक व्यक्ति सिर्फ पैसे नहीं लूट रहे, ये लेखक के मनोबल को तोड़ रहे हैं, नए रचनाकारों को हतोत्साहित कर रहे हैं, और साहित्य की गरिमा को तार-तार कर रहे हैं। साहित्य जगत को इस दीमक से खुद को बचाना होगा। लेखकों को अपनी आँखें खोलनी होंगी, प्रकाशन के हर पहलू को कसौटी पर कसना होगा।

बदलते बिहार का रण : क्या बदलेगा 2025 का गणित?

योगेश कुमार गोयल

बिहार में विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा होने के बाद से ही राज्य की सियासत उबाल पर है। दो चरणों में मतदान और 14 नवंबर को परिणाम,इन दो तिथियों के बीच अब हर बयान, हर गठबंधन,हर रैली और हर अपराध की खबर चुनावी हवा की दिशा तय करेगी। इस बार मुकाबला केवल नीतीश बनाम तेजस्वी या एनडीए बनाम इंडिया गठबंधन का नहीं है बल्कि अनुभव बनाम उम्मीद,सुशासन बनाम बदलाव और भरोसे बनाम मोहभंग की त्रिकोणीय लड़ाई बन गया है। बीस वर्षों से सत्ता के शिखर पर बैठे नीतीश कुमार का राजनीतिक भविष्य अब जनता की अदालत में है और इस फैसले में बिहार का आने वाला दशक छिपा है। बिहार में इस बार 7.43 करोड़ से अधिक मतदाता वोट डालेंगे,जिनमें 3.50 करोड़ महिलाएं और 3.92 करोड़ पुरुष शामिल हैं। इनमें से करीब 14 लाख युवा ऐसे हैं, जो पहली बार मतदान करेंगे। यही नई पीढ़ी अब इस चुनाव की दिशा मोड़ सकती है क्योंकि वह जातीय समीकरणों से अधिक रोजगार,शिक्षा,पलायन और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर केंद्रित है। इस बार का चुनावी रण बिहार की पारंपरिक राजनीति की जड़ों को चुनौती दे रहा है। जातिवाद,परिवारवाद और गठबंधन की राजनीति के बीच अब विकास, सुरक्षा और रोजगार की गूंज पहले से अधिक मुखर हो चुकी है। राज्य की राजनीतिक पटकथा पिछले दो दशकों में अनेक बार बदली लेकिन एक चेहरा स्थायी रहा, नीतीश कुमार। 2005 में उन्होंने लालू यादव के शासन से 'सुशासन' की ओर संक्रमण का नारा दिया और जनता ने उसे हाथों-हाथ लिया लेकिन बीस वर्षों में वही चेहरा अब थकान का प्रतीक बन गया है। सत्ता विरोधी लहर स्पष्ट दिख रही है और विपक्ष इसे 'नीतीश थकान सिंड्रोम' कहकर प्रचारित कर रहा है। तेजस्वी यादव की आरजेडी,कांग्रेस और वाम दलों के साथ गठित महागठबंधन इस बार जोर-शोर से मैदान में है। वहीं एनडीए,जिसमें जेडीयू, भाजपा, लोजपा (रामविलास) और हम जैसे सहयोगी हैं,अपने पुराने समीकरणों पर भरोसा कर रहा है। मगर इन समीकरणों की जमीन पहले जैसी ठोस नहीं रही। भाजपा और जेडीयू के रिश्तों में तनाव है, सीट बंटवारे को लेकर खींचतान हुई है और नीतीश कुमार की उम्र और स्वास्थ्य पर लगातार चर्चा हो रही है। भाजपा ने रणनीतिक रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनाव का मुख्य चेहरा बनाया हुआ है। राज्य में मोदी फैक्टर अब भी प्रभावी है लेकिन स्थानीय असंतोष इसे सीमित कर सकता है। बेरोजगारी,स्वास्थ्य और शिक्षा के ढ़ांचे की बदहाली, लगातार पलायन और अपराध के बढ़ते ग्राफ ने सुशासन की कहानी को कमजोर किया है। पटना से लेकर मुजफ्फरपुर और गया तक अपराध की घटनाएं आम होती जा रही हैं। हाल ही में मोकामा में हुई हत्या ने राज्य की कानून व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया। चुनावी माहौल के बीच खुलेआम गोली चलना और जन सुराज के प्रत्याशी का खुलकर समर्थन कर रहे बाहुबली दुलारचंद यादव की हत्या यह संकेत देती है कि बिहार आज भी अपराध के साए से मुक्त नहीं है। विपक्ष इसे 'सुशासन का पतन' और 'जंगल राज' कहकर प्रचारित कर रहा है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

CMYK

बाइक सवार का पीछा कर रुपए लूटने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
कोतवाली पुलिस ने बाइक सवार का पीछा कर रुपए लूटने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार रामनाथ राम नवानगर थाना दरिमा का रहने वाला है। वह 14 अक्टूबर कीदोपहर बाइक से स्टेट बैंक अंबिकापुर आया था। यहां 20 बहार रुपए बैंक से निकाला और पूर्व से उसके पास 40 हजार रुपए थे। कुल 60 हजार रुपए एक झोले में रखकर बाइक से वापस घर जा रहा था। रास्ते में कांतिप्रकाशपुर पुलिया के पास पहुंचा ही था कि पीछे तेज रफ्तार में अज्ञात बाइक सवार आया और रुपयों से भरे झोले को लूटकर फरार हो गया था। झोले में रुपए के अलावा एटीएम कार्ड, पासबुक, पेन कार्ड, आधार कार्ड, चेक बुक था। रामनाथ ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई थी। पुलिस अज्ञात के खिलाफ धारा 304 (2) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना कर रही थी। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी थी। इस बीच मुखबिर से सूचना मिली की एक संदेही स्टेट बैंक सदर रोड में घुम रहा है। पुलिस ने संदेही शोएब अख्तर पिता मोहम्मद वसीम बारी उम्र 23 वर्ष निवासी रसूलपुर थाना कोतवाली को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो वह बताया कि घटना दिनांक को वह बैंक में बैलेंस चेक करने गया था। इस द्वारा प्रार्थी रुपए निकालने के बाद गिनने के लिए दिया था। इसके बाद वह पीछा कर वारदात को अंजामा दिया था। उक्त रुपए को बिलासपुर जाकर खाने-पीने में खर्च करना बताया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

मंत्री के व्यंग्य से आहत रक्तदाता ने वापस किया प्रशस्ति पत्र

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
राज्योत्सव के अवसर पर 2 नवंबर को कलाकेन्द्र मैदान में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम रक्तदान के क्षेत्र में निरंतर सेवा देने वाले ऋषि अग्रवाल को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान मंत्री रामविचार नेताम ने ऋषि अग्रवाल से पूछा कि आपने क्या किया है, उसने बताया कि अब तक मैं 49 बार रक्तदान कर चुका हूं। इस पर मंत्री ने व्यंग्यात्मक रूप से कहा,अभी भी तुम्हारा खून बहुत फडफ़ड़ा रहा है। उसने इसे व्यंग्य के रूप में लिया और इसे सम्मान की बजाय अपमान समझा। ऋषि को टिप्पणी इतनी गहरी लगी कि वह रातभर सोचते रहे कि क्या उनका सम्मान किया गया है या उनका मजाक उड़ाया गया था। सुबह अपने परिवार और मित्रों से चर्चा के बाद उन्होंने यह निर्णय लिया कि वह प्रशस्ति पत्र वापस करेंगे। उसने जिले के कलेक्टर व भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष को प्रशस्ति पत्र को वापस कर दिया है।

स्कूटी चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
स्कूटी चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी स्कूटी लावारिस हालत में स्कूल रोड में छोड़ दिया था। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी चोरी करने के बाद स्कूटी से कुछ दिनों तक घुमा,इसके बाद पेट्रोल खत्म हो जाने पर स्कूल रोड में खड़ी कर दिया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार बौरीपारा निवासी सत्येन्द्र सोनी की स्कूटी 18 अक्टूबर को चोरी हो गई थी। उसने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उक्त स्कूटी को पुलिस ने लावारिस हालत में स्कूल रोड से बरामद किया था। इसके बाद पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। मामले में पुलिस ने आरोपी डॉक्टर चौधरी पिता बंटू चौधरी उम्र 19 वर्ष निवासी रजपुरी थाना कोतवाली को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

सरगुजा पुलिस द्वारा विभिन्न थाना/चौकी अंतर्गत यातायात जागरूकता कार्यक्रम किया गया आयोजित

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा पुलिस टीम को नागरिकों मे यातायात नियमो के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने दिए गए है दिशा निर्देश

- कार्यक्रम मे बाइक चलाते समय हेलमेट लगाने,चारपहिया वाहन मे सीट बेल्ट लगाने,यातायात नियमो का पालन करने,रेड सिग्नल जम्प नहीं करने,तीन सवारी नहीं चलने एवं वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग नहीं करने दी गई समझाईश...
- कार्यक्रम का उद्देश्य वाहन चालकों को सड़क दुर्घटनाओ से बचाव एवं यातायात नियमो का महत्त्व से किया गया जागरूक...
- नशे मे वाहन चलाने पर सख्ती से रोक एवं गति सीमा का पालन कराने नागरिकों को जानकारी प्रदान कर नियमो के उल्लंघन पर सख्त कार्यवाही की दी गई जानकारी...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) के दिशा निर्देशन मे जिला मुख्यालय समेत समस्त थाना/ चौकी मे सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने और नागरिकों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करने विभिन्न स्थानों/ मुख्य बाज़ार/स्कूल परिसर/चौक चौराहो पर पुलिस टीम को पहुंचकर यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर नागरिकों को जागरूक किये जाने के दिशा निर्देश दिए गए है। इसी क्रम मे जिले के समस्त थाना/चौकी प्रभारियों द्वारा प्रतिदिन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, उक्त कार्यक्रम आयोजित किये जाने का मुख्य उद्देश्य आम जनता,विशेषकर युवाओं और वाहन चालकों को सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों और यातायात नियमों के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान करना है। कार्यक्रम के दौरान थाना/चौकी प्रभारियों द्वारा नागरिकों को दोपहिया वाहन चलाते समय वाहन चालकों को हेलमेट पहनने और चार पहिया वाहन चलाते समय वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने की अनिवार्यता पर जोर दिया गया गया साथ ही हेलमेट पहनने एवं सीट बेल्ट लगाने से दुर्घटना के दौरान होने वाली जनहानी पर प्रभावी नियंत्रण किये जाने की जानकारी प्रदान की गई। नशे में ड्राइविंग करने वाले वाहन चालकों पर पुलिस टीम द्वारा सख्ती से कार्यवाही किये जाने की समझाईस दी गई,नागरिकों को दोपहिया/चारपाहिया वाहनो से सड़क यात्रा करने के दौरान गति सीमा का पालन करने की जानकारी दी गई, नागरिकों को नियंत्रित गति से वाहन चलाने और तेज रफ्तार से बचने का आग्रह किया गया, नागरिकों को यातायात संकेतों का महत्व बताकर सड़क संकेतों का पालन करने की जानकारी दी गई, रेड सिग्नल जम्प नहीं करने की जानकारी दी गई, वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग नहीं करने के साथ साथ तीन सवारी वाहन नहीं चलाने की अपील भी की गई। पुलिस टीम द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान लगभग 1000 से अधिक नागरिकों को जागरूक किया गया है, यातायात जागरूकता का कार्यक्रम पुलिस टीम द्वारा प्रतिदिन आयोजित किया जा रहा है जो आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल ने डीएलएड ब्लूप्रिंट निर्माण कार्यशाला का किया आयोजन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल (सीजी बोर्ड) रायपुर और परख,एनसीईआरटी नई दिल्ली के संयुक्त प्रयास से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत बोर्ड परीक्षा प्रश्नपत्रों में एकरुपता लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इस सिलसिले में, मण्डल अध्यक्ष रेणु पिल्ले और सचिव पुष्पा साहू के निर्देश पर, एनसीईआरटी नई दिल्ली, परख विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. इन्द्राणी भादुरी और उपसचिव डॉ. बी रघु के मार्गदर्शन में 29 से 31 अक्टूबर तक तीन दिवसीय डीएलएड (प्रथम और द्वितीय वर्ष) ब्लूप्रिंट निर्माण प्रशिक्षण सह-कार्यशाला का आयोजन मण्डल कार्यालय के सभाकक्ष में किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण प्रश्नपत्र निर्माण के लिए ब्लूप्रिंट की अवधारणा और निर्माण विधियों से परिचित कराना था। इस प्रशिक्षण में सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रदीप कुमार साहू, मनीषी सिंह, शिवा सोमवंशी, अलका जैन, अहर्निश पॉल, डॉ. रीता चौबे, डॉ. माधुरी बोरेकर ने विशेषज्ञ के रूप में प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने ब्लूप्रिंट निर्माण की प्रक्रिया और विभिन्न प्रकार के प्रश्नों (स्मरण, अवबोधात्मक, अनुप्रयोगात्मक, विश्लेषणात्मक, मूल्यांकन, रचनात्मक) के बारे में विस्तृत जानकारी दी। ब्लूप्रिंट कार्यशाला में शिक्षकों ने शैक्षिक उद्देश्यों के अनुरूप प्रश्नपत्र निर्माण की विधियों पर चर्चा की और प्रश्नों को संतुलित तरीके से तैयार करने के उपायों पर विचार-विमर्श किया। इसके अलावा, प्रशिक्षकों ने ब्लूप्रिंट के 6 प्रमुख डोमेन पर आधारित नए प्रश्नपत्र ब्लूप्रिंट को तैयार किया, जिनमें जानात्मक,अवबोधात्मक,अनुप्रयोगात्मक, विश्लेषणात्मक, मूल्यांकन और रचनात्मक प्रकार के प्रश्न शामिल थे। इस कार्यशाला में डाइट अंबिकापुर से डॉ. पुष्पा सिंह ने भी सहभागिता की। कार्यशाला के अंत में सभी प्रतिभागियों ने इसकी सराहना की और इसे डीएलएड के लिए एक महत्वपूर्ण और पहली बार आयोजित की गई पहल बताया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन शिक्षकों को न केवल उनके कौशल में सुधार करने में मदद करता है, बल्कि बोर्ड परीक्षा के प्रश्नपत्रों को अधिक मानक और गुणात्मक बनाने में भी सहायक सिद्ध होता है।

रिंग रोड पर आबकारी विभाग के ड्राइवर ने कार को पीछे से मारी टक्कर,नशे में था टल्ली,लोगों ने जमकर की धुनाई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
शहर के रिंग रोड नमना कला में सोमवार की दोपहर नशे में टल्ली आबकारी विभाग के ड्राइवर ने सरकारी वाहन से एक कार को पीछे से टक्कर मार दी। जब कार सवार लोगों ने उससे पूछताछ शुरू की तो वह गाली देने लगा। इसके बाद गुस्साए कुछ लोगों ने उसकी पिटाई कर दी। हालांकि ड्राइवर भी उनसे मारपीट करने लगा। नभ इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। दरअसल रिंग रोड पर लाइफ लाइन हॉस्पिटल के सामने सोमवार की दोपहर आबकारी विभाग के ड्राइवर

ने सरकारी वाहन से एक कार को पीछे से टक्कर मार दी। जब लोगों ने उसे रोका और वाहन से उतारा तो वह लड़खड़ाता रहा। उसने शराब पी रखी थी। वह ठीक से बोल भी नई पा रहा था। कार सवारों ने टक्कर मारने को लेकर सवाल किया तो उसने कबूल किया कि उसने शराब पी रखी है। इसके बाद वह उनसे उलझ गया। इसपर उन्होंने ड्राइवर की पिटाई कर दी।

भारतीय मुद्रा बदल कर विदेशी करंसी पाने के चक्कर में लगी 2.49 लाख की चपत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
विदेश जाने के लिए भारतीय मुद्रा के बदले एक्सचेंज में करंसी मंगाने के चक्कर में 2 लाख 49 हजार रुपये की चपत शहर के एक व्यक्ति को लग गई। रायपुर के टूर एंड ट्रेवल्स कंपनी से जानकारी लेने पर पता चला कि जिसे उन्होंने एक्सचेंज के लिए रकम दिया है,वह 4 माह पहले ही काम छोड़ दिया है। जानकारी के मुताबिक कुंडला सिटी निवासी अमित अग्रवाल को विदेश जाने के लिए विदेशी मुद्रा की जरूरत थी, इसके लिए उन्होंने समृद्धि टूर एंड ट्रेवल्स के नाम पर लोकेश नायक पिता रीत कुमार नायक निवासी टीसी सिन्हा हाउस,नहर रोड रायपुर के खाते में 2 लाख 49 हजार रुपये ट्रांसफर किया था। ट्रेवल्स कंपनी के उक्त कर्मचारी से उन्होंने पूर्व में भी भारतीय मुद्रा को एक्सचेंज कराया था, इसलिए उन्होंने उसे सीधे रकम ट्रांसफर कर दिया। एक्सचेंज में विदेशी मुद्रा प्राप्त नहीं होने पर उन्होंने लोकेश नायक को फोन लगाया तो पहले तो वह उन्हें टालमटोल करते हुए गुमराह किया, बाद में फोन रिसीव करना बंद कर दिया। इससे परेशान होकर अमित अग्रवाल समृद्धि टूर एंड ट्रेवल्स के रायपुर स्थित कार्यालय में पहुंचे, तो पता चला कि उक्त व्यक्ति 4 माह पहले ही काम छोड़ चुका है। इसकी जानकारी उन्होंने कोतवाली थाना अंबिकापुर में दी थी, जिस पर पुलिस ने अमानत में ख्यानत का मामला दर्ज कर लिया है, और अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

पटाखा फोड़ रहे युवकों से हुआ विवाद,एक पक्ष पहुंचा थाने

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
शहर के ब्रम्ह रोड में पटाखा फोड़ने के दौरान हुए विवाद के बाद सिर फुटौव्वल की स्थिति निर्मित हो गई। सत्तीपारा निवासी संजय सिंह ने कोतवाली थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि वह अपने दोस्त रवि प्रताप सिंह के साथ रात में 10 बजे बाइक से बस स्टैंड की ओर गया था। रास्ते में एक डेयरी दुकान के सामने कुछ लोग पटाखा जला रहे थे, इस दौरान अभद्र शब्दों का प्रयोग करते हुए पटाखा फूट रहा है, दिख नहीं रहा है, एक युवक ने कहा, जिस पर वह अपनी मोटरसायकल को रोक दिया था। आरोप है कि इसके बाद आयुष गोस्वामी, जय सोनी, रूद्र सोनी, अंश गोस्वामी ने कड़ा से उसके सिर में मारा, जिसमें सिर फट गया और खून बहने लगा। वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि मोटरसायकल सवार लापरवाही पूर्वक वाहन चालन करते हुए गुजरे थे, जिससे बच्ची बच गई। इस पर उन्होंने देखकर चलने के लिए कहा था, इसके बाद वे तैश में आ गए थे, जिससे विवाद बढ़ने की स्थिति बनी। बहरहाल संजय सिंह की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध नामजद धारा 296, 351 (3), 115 (2), 3 (5) बीएनएस का मामला कायम कर लिया है।

उत्तर क्षेत्रीय जनजातीय लोक नृत्य परंपरा का हुआ अनूठा प्रदर्शन कार्यक्रम में शामिल हुए कृषि मंत्री श्री नेताम

-संवाददाता-
बलरामपुर ,03 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
जिला मुख्यालय में आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम के दूसरे दिवस मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी,मछलीपालन,पशुधन विकास विभाग मंत्री श्री रामविचार नेताम शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने विभागीय स्टॉलों का अवलोकन कर हितग्राहीमूलक सामग्रियों का वितरण किया।

इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हीरामुनी निकुंज, उपाध्यक्ष श्री धीरज सिंहदेव, पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य श्री कृष्णा गुप्ता, जनपद अध्यक्ष सुश्री सुमित्रा चेरवा, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष श्री भानुप्रकाश दीक्षित सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा, वनमण्डलाधिकारी श्री आलोक वाजपेयी, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर,अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विष्व दीपक त्रिपाठी, गणमान्य नागरिक व बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे। मंत्री श्री नेताम ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए राज्य स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकानाएं दी। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे छत्तीसगढ़ निर्माण को 25 वर्ष पूरे होने पर हम रजत जयंती वर्ष मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले 25 साल में हमारा छत्तीसगढ़ राज्य और बलरामपुर जिला उपलब्धियों को छूएगा। साथ ही विकास की गई गाथाएं लिखेगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ गठन के विकास यात्रा को संक्षिप्त वर्णन किया।

मंत्री श्री नेताम ने स्टॉलों का किया अवलोकन : कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गये स्टॉलों का अवलोकन कर हितग्राहियों को सामग्रियां प्रदान की। समाज कल्याण विभाग द्वारा जिले के 06 दिव्यांगजनों को विभिन्न योजनाओं के तहत मोटराइज्ड ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर,ब्लाइंड स्टिक एवं स्टीक प्रदान किया गया। इस दौरान उन्होंने आदिवासी वाद्य यंत्रों को बजाकर भी देखा।

हितग्राहीमूलक सामग्रियों का किया वितरण : कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कुल 55 हितग्राहियों को हितग्राही मूलक सामग्रियों का वितरण किया। कृषि मंत्री श्री नेताम ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत 05 हितग्राहियों को आवास की चाबी सौंपी। साथ ही नोनी सुरक्षा योजना अंतर्गत 02 हितग्राहियों को 20-20 हजार रुपये का चेक, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना अंतर्गत 02 हितग्राहियों को 20-20 हजार रुपये का चेक, मिनी माता महतारी जतन योजना अंतर्गत 02 हितग्राहियों को 20-20 हजार रुपये का चेक, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी षिक्षा सहायता योजना अंतर्गत 02 हितग्राहियों को 40 एवं 38 हजार रुपये का चेक,05 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत आवास की चाबी सौंपी।

प्रथम स्थान प्राप्त विजेता प्रतिभागी राज्य स्तरीय कार्यक्रम होंगे शामिल : जिले में जनजातीय परंपराओं और लोक संस्कृति की महक से सराबोर उत्तर क्षेत्रीय जनजातीय लोक नृत्य महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें मंत्री श्री रामविचार नेताम शामिल हुए।

महोत्सव में जिले के सभी विकासखंड से आए 12 नृत्य दलों ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा, आभूषण और लोक वाद्य यंत्रों के साथ आकर्षक लोक नृत्य करते हुए आदिवासी जीवन की संस्कृति,परंपरा और उत्सव भावना का मनमोहक प्रदर्शन किया। मंत्री श्री नेताम कार्यक्रम के अंत में विजेता प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया।

पंजीयन में संशोधन कराने वाले कई किसानों के नाम का रकबा दिखाया जा रहा है शून्य

15 नवम्बर 2025 से प्रदेश में धान खरीदी की प्रक्रिया होने जा रही है शुरू

-संवाददाता-
शंकरगढ़,03 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
आगामी 15 नवम्बर 2025 से प्रदेश में धान खरीदी की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है,लेकिन शंकरगढ़ क्षेत्र के किसानों में इस बार मायूसी का माहौल है। पंजीयन में संशोधन कराने वाले कई किसानों के नाम पर इस वर्ष धान का रकबा शून्य दिखाया जा रहा है। किसानों का कहना है कि उनके नाम पर जमीन दर्ज है और वे कई वर्षों से नियमित रूप से धान बेचते आ रहे हैं। वर्तमान में भी उन्हीं खसरा नंबरों पर धान की फसल खड़ी है, बावजूद इसके उनके खातों में रकबा 'शून्य' दर्ज कर दिया गया है। प्रदेश सरकार ने इस वर्ष प्रति एकड़ 21 क्विंटल की दर से धान खरीदी का लक्ष्य निर्धारित किया है, मगर पंजीयन और गिरदावरी में की गई लापरवाही के कारण अनेक किसानों का धान मंडी तक पहुँचना मुश्किल हो गया है। किसानों का आरोप है कि तहसील स्तर पर गिरदावरी करने वाले कर्मचारियों ने बिना खेतों का निरीक्षण किए 'कागजों पर' ही काम पूरा कर दिया। नतीजतन, कई किसानों के रकबे कम या शून्य दर्ज हो गए। अब इन किसानों को अपनी जमीन और फसल का रकबा सुधरवाने के लिए तहसील कार्यालय के लगातार चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। ग्रामीण इलाकों से 10 से 20 किलोमीटर दूर से आने वाले किसानों को इसके चलते भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। किसानों ने बताया कि आवेदन सुधार के लिए उन्हें दलालों या टाइपिस्टों को 200 से 500 रुपये तक देने पड़ते हैं। वहीं, कुछ किसान

ऐसे भी हैं जो पटवारी या कर्मचारियों से सीधे संपर्क कर सुधार करवाने के लिए 1000 से 2000 रुपये तक खर्च करने को मजबूर हैं। किसानों का कहना है कि यदि जिम्मेदार अधिकारी समय रहते गिरदावरी और पंजीयन प्रक्रिया को गंभीरता से लें, तो किसानों को ऐसी परेशानियों से बचाया जा सकता है।

किसानों की मांग : किसानों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि ऐसे मामलों की तत्काल जांच कर दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाए। साथ ही जिन किसानों का रकबा शून्य या कम दर्ज हुआ है, उनके दस्तावेजों का सत्यापन कर शीघ्र सुधार किया जाए, ताकि वे अपनी मेहनत की फसल को समर्थन मूल्य पर बेच सकें। किसानों का कहना है कि सरकार की नीतियाँ तभी सफल होंगी जब उन्हें जमीनी स्तर पर ईमानदारी से लागू किया जाएगा।

प्रशासन का पक्ष...

गजराज सिंह,नायब तहसीलदार,शंकरगढ़ ने बताया कि शासन द्वारा गिरदावरी के लिए गांव-गांव में कर्मचारियों की नियुक्ति की गई थी। उनके द्वारा की गई लापरवाही के कारण कुछ किसानों का रकबा कम या शून्य दर्ज हुआ है।

CMYK

क्या सिर्फ राजनीति करने वालों को है छत्तीसगढ़ से प्रेम या जनता में भी है स्थापना दिवस का उत्साह?

राजनीति के मंचों से लेकर गाँव की चौपालों तक,सवाल यही कि किसका पर्व है 'छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस'?

- स्थापना दिवस पर खर्च तो करोड़ों का, पर जनता कहाँ?
- सरकारी शान के साए में जनता की भागीदारी गायब,

आखिर ये आयोजन किसके लिए हैं?

रवि सिंह

रायपुर,03 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना को पच्चीस वर्ष पूरे हो चुके हैं,इस अवसर पर इस वर्ष प्रदेश की सरकार रजत जयंती वर्ष मना रही है,यह दिन न केवल एक प्रशासनिक उपलब्धि का प्रतीक है, बल्कि उस जनता की आकांक्षाओं का भी, जिसने वर्षों तक अपने राज्य के सपने को साकार करने के लिए संघर्ष किया,परंतु आज यह प्रश्न उठ खड़ा हुआ है,क्या यह दिवस अब केवल राजनीति का अवसर बनकर रह गया है? क्या आम नागरिकों में अब भी वही आत्मीय उत्साह शेष है,जो राज्य निर्माण के समय देखा गया था? राजनीतिक दल इस दिन को अपनी योजनाओं और भाषणों के माध्यम से प्रदर्शित करते हैं, मंच सजते हैं,घोषणाएँ होती हैं, और राज्य के गौरव का उल्लेख किया जाता है, पर जब गांव में बच्चे छत्तीसगढ़ महतारी की आरती करते हैं, महिलाएँ पारंपरिक पोशाकों में लोकगीत गाती हैं,और विद्यालयों में 'अरपा पैरी के धार' की ध्वनि गूंजती है तब यह साफ झलकता है कि छत्तीसगढ़ की आत्मा अभी जीवित है,राजधानी में उत्सव भले औपचारिकता में बदल गया हो, लेकिन ग्रामीण हृदय आज भी इस दिन को गर्व से मनाता है, यही सच्चा छत्तीसगढ़ है जहाँ राजनीति नहीं, बल्कि मिट्टी की सुगंध,लोकभाषा का अपनापन और लोगों की आस्था बसती है, राजनीति करने वालों के लिए यह दिवस सत्ता और मंच का प्रतीक हो सकता है,पर आम जनता के लिए यह अपने हक,अपनी पहचान और अपने अस्तित्व का पर्व है।

प्रशासन को आत्ममंथन करना होगा कि आखिर यह कार्यक्रम 'लोक उत्सव' है या केवल 'लोक-प्रदर्शन'?

जिला स्तरीय आयोजन 2 नवंबर को क्यों? 1 नवंबर को अवकाश, लोग घरों में फिर राज्योत्सव का उत्सव जनता से दूर क्यों हुआ?

छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण की रजत जयंती का वर्ष,प्रदेश भर में उत्सव,सजावट और सरकारी आयोजन,लेकिन इस बार जिला स्तरीय राज्योत्सव के आयोजन की तिथि ने ही बड़ा सवाल खड़ा कर दिया,आखिर जिला स्तरीय आयोजन 1 नवंबर की जगह 2 नवंबर को क्यों किया गया? 1 नवंबर को राज्य स्थापना दिवस पर शासन ने सामान्य अवकाश घोषित किया था। लोग घरों में थे, बच्चे भी स्कूल से छुट्टी पर थे। ऐसे में यदि जिला स्तरीय आयोजन उसी दिन होते, तो बड़ी संख्या में लोग इसमें शामिल हो सकते थे। परंतु जब आयोजन अगले दिन यानी 2 नवंबर को रखे गए,तब अधिकांश लोग अपने कार्यस्थलों पर लौट चुके थे और बच्चों की पढ़ाई का दबाव भी लौट आया था, यही कारण रहा कि प्रदेश के अधिकांश जिलों में जिला स्तरीय आयोजन खाली कुर्सियों के बीच संपन्न हुए,मंचों पर जनप्रतिनिधि,अधिकारी और कर्मचारी तो मौजूद थे,लेकिन जनता की उपस्थिति नगण्य रही।

छत्तीसगढ़ की स्थापना दिवस को लेकर प्रदेशभर में भव्य सरकारी आयोजन किए गए, मंच सजाए गए, पोस्टर लगे, मंचों पर भाषण हुए, और सरकारी धन का उदार खर्च हुआ, लेकिन एक सवाल जो हर वर्ष की तरह इस बार भी गूंजा, इन आयोजनों तक जनता आखिर पहुंचती क्यों नहीं? सरकार करोड़ों रुपये कार्यक्रमों पर खर्च करती है ताकि जनता राज्य की उपलब्धियों को देख सके, संस्कृति को महसूस कर सके और गर्व के साथ अपनी पहचान का उत्सव मना सके, लेकिन जब आयोजन स्थल की कुर्सियां खाली रह जाती हैं और तालियां केवल अधिकारियों के बीच गूंजती हैं,तो यह सोचने पर मजबूर करती हैं कि क्या यह पर्व अब जनता से दूर हो गया है? स्थापना दिवस का उद्देश्य जनता और सरकार के बीच संवाद का पुल बनना था, परंतु अब यह दिन अधिकतर सरकारी औपचारिकता बनकर रह गया है,जनता को आमंत्रित करने की प्रक्रिया सीमित रह जाती है, प्रचार सिर्फ सरकारी दफ्तरों की दीवारों पर सिमट जाता है, और आम नागरिक केवल समाचारों में उत्सव देखता रह जाता है,जब आयोजन जनता के बिना हों, तो भव्य मंच,रोशनी और भाषण सब बेमानी लगते हैं। प्रशासन को आत्ममंथन करना होगा कि आखिर यह कार्यक्रम 'लोक उत्सव' हैं या केवल 'लोक-प्रदर्शन'?

प्रचार-प्रसार की कमी ने बढ़ाई दूरी

कई जिलों में आम लोगों को आयोजन की जानकारी तक नहीं थी, प्रशासन की ओर से पर्याप्त प्रचार-प्रसार नहीं किया गया,न आमंत्रण, न सार्वजनिक अपील,नतीजा यह हुआ कि आयोजन केवल शासकीय विभागों और सत्तापक्ष तक सीमित रह गया,स्थानीय लोगों का कहना है कि 'अगर पहले से जानकारी होती, या आयोजन 1 नवंबर को होता, तो लोग पूरे परिवार के साथ जुड़ते।'

विपक्ष को नहीं मिला आमंत्रण...सवाल और गहरे

कई जिलों से यह शिकायत सामने आई कि राज्योत्सव के जिला स्तरीय आयोजन में विपक्षी नेताओं को निमंत्रण नहीं मिला,राज्य निर्माण का दिवस किसी पार्टी विशेष का नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ की जनता का पर्व है, फिर विपक्षी दलों को निमंत्रण न देना क्या लोकतंत्र की भावना के विपरीत नहीं है? राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि 'राज्योत्सव को सर्वदलीय और सर्वजन उत्सव मनाया जाना चाहिए, न कि एक पक्षीय आयोजन।'

चकाचौंध में जनता गायब, क्या जनता से दूर हो गया उत्सव?

मंचों की रौनक और सजावट में प्रशासनिक उत्साह तो झलका, लेकिन जनता की भागीदारी गायब रही,नेताओं और अधिकारियों की मौजूदगी के बावजूद आम लोगों की अनुपस्थिति ने यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या यह उत्सव जनता से दूर होता जा रहा है? जब कोई राज्य अपना स्थापना दिवस पर जनता को शामिल करने में नाकाम रहता है, तो उत्सव का अर्थ भी अधूरा रह जाता है।

अधिवक्ताओं ने गुलाब देकर की न्यायालय भवन के लिए कॉलोनी खाली करने की अपील

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
जिला एवं सत्र न्यायालय अंबिकापुर के अधिवक्ताओं ने सोमवार को गुलाब कॉलोनी और कलेक्ट्रेट परिसर में अनोखा प्रदर्शन करते हुए मकान मालिकों को गुलाब फूल भेंट कर उनसे मकान खाली करने का विनम्र आग्रह किया। अधिवक्ताओं ने सरगुजा कलेक्टर को भी गुलाब फूल देकर अनुरोध किया कि वे अपने कर्मचारियों को मकान खाली करने का निर्देश जारी करें। ताकि उक्त भूमि पर नविन न्यायालय भवन का निर्माण कार्य शुरू किया जा सके। छह माह पूर्व गुलाब कॉलोनी को जिला एवं सत्र न्यायालय के नए भवन निर्माण के लिए चिन्हित किया गया था, लेकिन अब तक कॉलोनी खाली नहीं हो पाई है। इसी कारण सरगुजा कलेक्टर ने अंबिकापुर से लगभग 8 किलोमीटर दूर चटीरमा में नए न्यायालय भवन के लिए भूमि आवंटित कर दी थी, जिसका अधिवक्ता संघ ने विरोध किया था। इस संबंध में अधिवक्ताओं ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से भी शिकायत की थी। शिकायत के बाद न्यायालय के समीप स्थित सरकारी आवास कॉलोनी को तोड़कर नए न्यायालय भवन निर्माण की योजना बनी, लेकिन छह माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद संबंधित कर्मचारियों ने मकान खाली नहीं किया है। अधिवक्ताओं का कहना है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो वे उग्र आंदोलन की राह अपनाएंगे। गौरतलब है कि गुलाब कॉलोनी में कई न्यायालय कर्मचारी और अन्य सरकारी अधिकारी निवासरत हैं। नए न्यायालय भवन के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पहले ही पूरी हो चुकी है। कलेक्टर ने चार दिनों भीतर कॉलोनी को खाली कराने का आश्वासन अधिवक्ताओं को दिया है।

धान खरीदी से पहले सहकारी समिति कर्मचारी संघ का अनिश्चितकालीन हड़ताल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
धान खरीदी के पहले, सहकारी समिति कर्मचारी संघ ने अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान किया है। संघ ने यह कदम अपने चार सूत्रीय मांगों को लेकर उठाया है। कर्मचारियों का आरोप है कि धान की खरीदी के बाद, कम मात्रा में धान मिलने के बावजूद उन पर जिम्मेदारी डाली जाती है, जबकि समय पर धान का उठाव नहीं किया जाता। इसके अलावा, उन्हें उनकी मेहनत के हिसाब से उचित वेतन भी नहीं मिल रहा है। सहकारी बैंक में कर्मचारियों ने सीधी भर्ती प्रक्रिया को बहाल करने और आउटसोर्सिंग पर रोक लगाने की मांग की है।

गुरुनानक देव के 556 वें प्रकाश पर्व पर निकाली गई शोभायात्रा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
गुरुनानक देव के 556 वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में सोमवार को गुरुद्वारा गुरुसिंह सभा अंबिकापुर द्वारा विशाल शोभायात्रा निकाली गई। इसकी अगुवाई पंज प्यारों ने की। प्रकाश उत्सव गुरुद्वारा में बुधवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। शोभायात्रा पंज प्यारे सरदार नवराज सिंह बरा, गुरु सेवक सिंह भामरा, हरमिंदर सिंह भामरा, गुरदीप सिंह बाबरा एवं पवनदीप सिंह छाबड़ा अगुवाई कर रहे थे। गुरु साहब की भव्य शोभायात्रा गुरुद्वारा सिंह सभा, स्कूल रोड से प्रारम्भ हुई। शोभायात्रा गुरुद्वारा साहिब से गुरुनानक चौक शिवाजी चौक (गुदरी चौक), जोड़ा पीपल, आकाशवाणी चौक, गांधी चौक, घड़ी चौक, संगम चौक, ब्रम्ह रोड होकर गुरुद्वारा नानक निवास बाबूपारा पहुंची। गुरुद्वारा नानक निवास में गुरुवाणी शबद कीर्तन के कार्यक्रम हुए। शोभायात्रा में सिख समाज के बड़ी संख्या में महिला-पुरुषों व बच्चों ने हिस्सा लिया। शोभायात्रा में गुरुग्रंथ साहिब की सवारी वाली गाड़ी को फूल-मालाओं से भव्य रूप से सजाया गया था, जो आकर्षण का केन्द्र था। शोभायात्रा में समाज की काफी संख्या में महिलाएं शामिल थीं। फूल-मालाओं से सजाए गए गुरुग्रंथ साहिब की सवारी वाली गाड़ी के पीछे महिलाएं विशेष परिधान में चल रहीं थीं। इस दौरान महिलाएं गुरुग्रंथ के पीछे गुरुवाणी शबद कीर्तन कर रहीं थीं। गुरुनानक देव के 556 वें प्रकाश पर्व पर शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान शहर के हर चौक-चौराहों पर विभिन्न समाज व संगठन के लोगों द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। विशेष कीर्तन के बाद अटूट लंगर का आयोजन 5 नवंबर को गुरु नानक देव जी के 556 वे प्रकाश पर्व मनाया जाएगा। इस दौरान गुरुद्वारे में शब्द कीर्तन का प्रोग्राम चलता रहेगा।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित होगी 'यूनिटी मार्च'

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर जिले में 13 नवंबर को 'यूनिटी मार्च' का आयोजन किया जाएगा। यह पदयात्रा राम मंदिर, अम्बिकापुर से प्रारंभ होकर मल्टीपरपज स्कूल एवं शासकीय विद्यालय असोला होते हुए परसा में संपन्न होगी। यात्रा के दौरान यूनिटी मार्च प्रतिभागियों द्वारा वृक्षारोपण, धान कटाई, स्वच्छता अभियान एवं ग्राम संपर्क गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। समापन स्थल परसा स्कूल में सामूहिक भोजन एवं रात्रि विश्राम का भी आयोजन किया गया है। इस आयोजन का उद्देश्य एकता, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और ग्राम विकास के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। इस दौरान श्री भारत सिंह सिसोदिया, श्रीमती अरुणा सिंह, श्री निश्चित प्रताप सिंह, श्री मनोज कंसारी, पार्षद निरंजन राय, कलेक्टर श्री विलास भोसकर एवं जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल ने यात्रा की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्री भोसकर ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि यात्रा मार्ग पर बिजली, पेयजल, स्वच्छता, अस्थायी शौचालय, बैठने हेतु कुर्सियां, वाहन पार्किंग, जनरेटर, साउंड सिस्टम, तथा भोजन एवं नाश्ता व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण कर ली जाएं ताकि प्रतिभागियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने बताया कि यूनिटी मार्च में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी, और नागरिक बड़ी संख्या में शामिल होंगे। कलेक्टर श्री भोसकर ने कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु सभी विभागों को समन्वित रूप से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस जवानों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए 'स्मार्ट-कॉप फिट-काप 2.0 शुरू

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
पुलिस जवानों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने के लिए सरगुजा रेंज में 'स्मार्ट-कॉप फिट-काप 2.0' सोमवार ग्राम केपी स्थित सीआरपीएफ कैंप में शुभारंभ किया गया। आईजी दीपक झा ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य पुलिस बल में फिटनेस, अनुशासन और सकारात्मक जीवनशैली को बढ़ावा देना है, ताकि पुलिस कर्मी तनावमुक्त रहकर बेहतर तरीके से जनसेवा कर सकें। एक माह लंबे प्रशिक्षण कार्यक्रम में जवानों को व्यायाम, योग, ध्यान, संतुलित आहार, मानसिक स्वास्थ्य एवं जीवनशैली सुधार जैसे विषयों पर प्रशिक्षित किया जाएगा। फिटनेस विशेषज्ञों व चिकित्सकों की निगरानी में पुलिसकर्मियों का फिटनेस असेसमेंट,बीएमआई मूल्यांकन और व्यक्तिगत सुधार योजना भी तैयार की जाएगी। आईजी ने कहा कि एक फिट पुलिस बल ही वास्तव में स्मार्ट पुलिस बल बन सकता है। हमारी कोशिश है कि हर पुलिसकर्मी शारीरिक रूप से स्वस्थ, मानसिक रूप से मजबूत और भावनात्मक रूप से संतुलित रहे। फिटनेस केवल शरीर नहीं, बल्कि सोच और कार्यशैली की ताजगी भी है। स्मार्ट-कॉप फिट-कॉप 2.0 कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक जिले में साप्ताहिक फिटनेस रिपोर्टिंग, हेल्थ चेकअप,मोटिवेशनल सेशन आयोजित किए जाएंगे। अभियान के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जाएगा। प्रशिक्षण के प्रथम बैच में रेंज के कुल 53 पुलिस अधिकारी- कर्मचारी को शामिल किया गया है।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने मेसर्स मिश्रा स्वीट्स का किया निरीक्षण,जांच में मिली कमियां,नोटिस जारी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
खाद्य एवं औषधि प्रशासन के खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि एम.जी. रोड में हॉली क्रॉस स्कूल के पास स्थित मेसर्स मिश्रा स्वीट्स में गुणवत्ता एवं अस्वच्छकर स्थान में खाद्य पदार्थ मिठाई एवं अन्य सामग्री बनाने की सूचना शिकायत के रूप में प्राप्त हुई। जिसके पश्चात अभिहित अधिकारी श्री नितेश कुमार मिश्रा के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम के द्वारा मिश्रा स्वीट्स में छापामार कार्यवाही कर पूरे होटल परिसर की गुणवत्ता जांच एवं लाईसेंस की शर्तों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षणकर्ता टीम को मिश्रा स्वीट्स में पर्याप्त कमियां पायी गयी, जिसके तहत मिश्रा स्वीट्स को 15 दिवस का नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में कहा गया है कि 15 दिवस में अगर मौके पर पायी गयी कमियों को दूर नहीं किया जाएगा, तो मिश्रा स्वीट्स का लाईसेंस निरस्त किया जाएगा। होटल में उपयोग किए जा रहे पानी की जांच रिपोर्ट एवं साफ- सफाई उपयुक्त नहीं पाई गयी। उपरोक्त के लिए खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 32 के तहत सुधार सूचना जारी किया गया है तथा अनियमितताओं को सुधारकर 15 दिवस के भीतर खाद्य औषधि प्रशासन कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित में जवाब प्रस्तुत करने कहा गया है।

राज्योत्सव की चकाचौंध में वनांचल के गांव अंधेरे में

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने शासन प्रशासन से नई बैटरी एवं इन्वर्टर लगाए जाने की मांग

22 सोलर प्लांट ठप, बैटरी-इन्वर्टर वर्षों से बदले नहीं – विभाग के पास नहीं बजट या नहीं इच्छा शक्ति ?

कोरिया के साथ साथ एमसीबी जिले की भी यही कहानी कई गांव के प्लांट डेड...

-राजन पाण्डेय-
कोरिया/एमसीबी,03 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के 25 वर्ष पूरे होने पर पूरे प्रदेश में राज्योत्सव की भव्यता दिख रही है। कोरिया और मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले में मंच सजे हैं,रोशनी बिखरी है,और सरकारी स्टॉल विकास की तस्वीरें पेश कर रहे हैं, लेकिन इस चकाचौंध के पीछे एक कड़वी हकीकत भी है जिले के दर्जनभर से अधिक वनांचल गांव आज भी अंधेरे में डूबे हुए हैं, सूत्रों के अनुसार, सोनहत विकासखण्ड में 22 सोलर ऊर्जा प्लांट लंबे समय से बंद पड़े हैं,कुछ गांवों में एक-दो घंटे ही रोशनी रहती है, जबकि कई जगहों पर पूरी तरह अंधकार छाया है, कारण साफ है...इन सोलर प्लांटों की बैटरी और इन्वर्टर आउट ऑफ वारंटी होकर पूरी तरह जवाब दे चुके हैं।

10 से अधिक गांव 'लूपिंग सिस्टम' पर चल रहे...

सोनहत विकासखंड के 10 से अधिक गांवों में एक प्लांट बंद होने पर दूसरे प्लांट से कनेक्शन जोड़कर लाइट दी जा रही है। इससे बैकअप घट गया है और दोनों सिस्टम पर ओवरलोड का खतरा बढ़ गया है। इनमें पश्चिम पारा, परिहत, सिंघोर छात्रावास, सलगवां खुर्द, रामगढ़, बंशीपुर, कचोहर, मझगवां, रावतसारई, अमृतपुर, उधेनी, गिधेर जैसे गांव शामिल हैं।

'घटती-घटना' की पहल पर कुछ गांवों में सुधार,लेकिन बाकी अब भी अंधेरे में...

इससे पहले भी घटती-घटना में सौर ऊर्जा प्लांटों की दुर्दशा पर रिपोर्ट प्रकाशित होने के बाद कुछ गांवों में सुधार कार्य हुआ था, लेकिन अब भी अधिकांश ग्रामों के लोग रोशनी की आस में हैं।

विभाग के कर्मचारी कर रहे दौरे,पर हल नहीं

क्रेडा के कर्मचारी लगातार निरीक्षण कर रहे हैं, पर तकनीकी समाधान नहीं हो पा रहा। एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया सामान बहुत पुराना है, बैटरियों का जीवनकाल खत्म हो गया है। जब तक नई बैटरी और इन्वर्टर की सप्लाई नहीं होती, स्थायी समाधान संभव नहीं।

पूर्व विधायक गुलाब कमरो का आरोप, सरकार को वनांचल की चिंता नहीं

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने कहा, पिछली सरकार में सभी गांवों की लाइट जलती थी, आज अधिकांश सौर प्लांट ठप्प हैं। सरकार को गरीब आदिवासियों की चिंता नहीं रही। अगर बजट की कमी है, तो डीएमएफ फंड से नई बैटरियां लगाई जाएं। अन्यथा चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा।

कई गांवों में पूरी तरह ठप सोलर सिस्टम

वनांचल ग्राम निग्नोहर, देवतीडांड, पत्थरगवां, नटवाही, चुलादर और तुर्रीपानी में सोलर सिस्टम बंद हैं। ग्रामीणों ने बताया कि तकनीशियन आते तो हैं, लेकिन बैटरियां पूरी तरह खराब हैं। जब तक नई बैटरी और इन्वर्टर नहीं लगेंगे, कोई फायदा नहीं। कुछ ग्रामीणों ने तो तंज में कहा अब तो हम अंधेरे में रहने की आदत डाल चुके हैं, कोई सुनता ही नहीं।

जनप्रतिनिधियों की प्रतिक्रिया

सोनहत क्षेत्र के दर्जनों ग्रामो में परेशानी कई जगह के प्लांट खराब है तो कई जगह पुराने हो चुके सिस्टम में बैकअप नही है,शासन-प्रशासन को संज्ञान लेकर निराकरण करना चाहिए

अनित दुबे,नेता कांग्रेस

कई ग्रामो में सौर ऊर्जा प्लांट के खराब होने की मिली है इसके लिए तत्काल विभाग के अधिकारियों से बात कर निराकरण कराने प्रयास किया जाएगा।

आशा देवी सोनपाकर,अध्यक्ष जनपद पंचायत सोनहत

क्रेडा कार्यालय में कल ही इसके लिए बात करूँगा साथ ही क्रेडा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रायपुर को भी मैंने पत्र भेजा है निराकरण नही होने की स्थिति में जन हित मे लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन किया जाएगा

जयचन्द सोनपाकर अधिवक्ता
कार्यकारी अध्यक्ष कोरिया जन सहयोग समिति

सौर प्लांट खराब है इससे वनांचलों के ग्रामीण परेशान है, पंच संघ प्लांट के सुधार कार्य और नई बैटरी इन्वर्टर की मांग हेतु जिलाधिकारी क्रेडा से मिल कर मांग करेगा,शीघ्र निराकरण नही होने पर आंदोलन किया जाएगा

प्रेम सागर तिवारी अध्यक्ष पंच संघ

दुरस्त क्षेत्रों में बसे ग्रामीणों की समस्याओं पर शासन का ध्यान न दिया जाना खेद जनक है, सोलर संचालित लगभग सभी ग्रामो में बैटरी इन्वर्टर बदले जाने की आवश्यकता है

प्रकाश चंद्र साहू

छत्तीसगढ़ शासन के निर्देश के बाद भी कार्यालयो में समय पर नहीं आते अधिकारी एवं कर्मचारी

ग्रामीण यांत्रिकी विभाग कार्यालय का संचालन संविदा कर्मियों के द्वारा किया जा रहा है?

ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय से हमेशा रहते हैं नदारत?

-संवाददाता-
खड़गवां,03 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन के सभी विभाग के कार्यालयों में जिला एवं विकास खंड स्तर पर पदस्थ कर्मचारी अधिकारीयों को कार्यालय को सुबह 10 बजे खुलना है और कर्मचारी एवं अधिकारी को कार्यालय में उपस्थित होना है।

छत्तीसगढ़ शासन के आदेश की खड़गवां विकास खंड में ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के कार्यालय में खुलेआम आदेश कि धज्जियां उड़ाई जा रही है। राज्य शासन ने निर्देशानुसार सभी शासकीय कार्यालय सुबह 10 बजे से लेकर शाम 5.30 तक आम जनता के लिए खुल रहें हैं। तथा हफ्ते में दो दिन छुट्टी घोषित की गई है शासन के इस आदेश का उल्लंघन खड़गवां विकास खंड के ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के कार्यालय में देखा जा सकता है।

इस कार्यलय में पदस्थ एस डी ओ छत्तीसगढ़ शासन के आदेश की धज्जियां उड़ते नहीं थक रहे हैं। बड़े दबंगई से ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के कार्यालय का संचालन अपने में बैठकर कर रहे हैं। यहां कार्यलय में संविदा कर्मी के द्वारा एस डी ओ साहब के घर निर्माण कार्यों से संबंधित समस्त फाइलों एवं अन्य दस्तावेजों में हस्ताक्षर कराए जाते हैं ग्रामीण यांत्रिकी विभाग में पदस्थ एस डी ओ कार्यलय को घर से संचालन कर कमीशन की मोटी रकम का भी वारा-न्यारा कर रहे हैं क्या हमारे जिले के तेजतर्रार मुखिया के द्वारा इसे संज्ञान लेकर कार्यवाही करेंगे ?

इस तरह शासन के आदेश के परिपेक्ष में खड़गवां के कार्यालयों में इसकी पड़ताल की गई। जिसमें कई कार्यालयो मे अधिकारी कर्मचारी नहीं आए थे। जिसमें ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के कार्यालय में पदस्थ अनुविभागीय अधिकारी उपस्थित नहीं थे और कर्मचारी भी मनमाने समय पर कार्यलय आते जब यहां पदस्थ अधिकारी का यही हाल है तो कर्मचारी का भी लापरवाह होना लाजिमी है। खड़गवां मुख्यालय के कार्यालय में कभी भी समय पर नहीं आते है कार्यालय का जदातर संचालन पदस्थ कर्मचारीओ के द्वारा ही करते देखा जा सकता है।

गौरतलब है की खड़गवां के कार्यालय में राज्य शासन के आदेश को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। ऐसे में लापरवाही और मनमानी करने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों पर क्या कार्यवाही होगी और कौन कार्यवाही करेगा या सबसे बड़ा प्रश्न है। प्रशासनिक अधिकारियों कि लापरवाही का ढर्रा इसी तरह चलता रहेगा या कलेक्टर महोदय इस पर संज्ञान लेकर लगाम लगाएंगे?

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क0 202510021700065/अ-27/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक धनंजय मंडल आ0 स्व0 निरंजन मंडल, निवासी ग्राम सरगंवा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा ग्राम सरगंवा स्थित भूमि खसरा न0 35/2 रकबा 2.180 हे0 भूमि का अनावेदक कुशल मंडल आ. कालोशशि व अन्य, निवासी ग्राम सरगंवा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के मध्य खाता विभाजन कराने बावत् आवेदन छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 178 के तहत् प्रस्तुत की गई है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 21/11/ 2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 29/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील
अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा) अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0......../अ-2/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कौशल किशोर त्रिपाठी आ0 भीषमदेव त्रिपाठी जाति ब्राहम्ण निवासी बौरीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 2180/18 रकबा 0.192 हे0 में से 0.044 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, सेटलमेन्ट, ले-आउट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 18/11/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 3/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पदमुद्रा से जारी।

सील
अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क0 202510021700039/अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक चंद्रकिशोर पटेल आ0 रामकृपाल पटेल, जाति कुरमी, निवासी ग्राम सोनडिहा, तहसील प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0) के द्वारा ग्राम नेहरूनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 101/4 रकबा 0.208 हे0 में से 0.022 हे0 के राजस्व अभिलेखों में पंजीबद्ध विक्रयपत्र दिनांक 27/11/2024 के आधार पर विक्रेता प्रिया राय पति तुषार राय, जाति ब्राम्हण, निवासी केदारपुर अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ0ग0) का नाम विलोपित करते हुए अपना नाम दर्ज कराने हेतु छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 109, 110 के तहत् आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 06/11/2025 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 14/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील
अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं श्रीमती स्वीटी पत्नी उमेश अग्रवाल उम्र 32 वर्ष जाति अग्रवाल निवासी वार्ड नम्बर 09 महालक्ष्मी बाई वार्ड एम.जी. रोड मारूती सुजुकी के बगल में थाना गांधीनगर तह0 अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 है। विदित हो कि मेरे नाम से भूमि नमनाकला पटपरिया प.ह.न.20 रा.नि.मं. अम्बिकापुर- 05 तह0 अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 में है जिसका खसरा नम्बर 157 /342 है।

उक्त भूमि जो पूर्व में विक्रेता गुलाब अग्रवाल आ0 सीताराम अग्रवाल निवासी अग्रेसन वार्ड अम्बिकापुर थाना व तह0 अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 एवं केता मनीष अग्रवाल आ0 जयप्रकाश अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी जुनापारा लखनपुर थाना व तह0 लखनपुर जिला सरगुजा छ0ग0 का रजिस्ट्री दिनांक 25.05.2006 को हुई थी जिसका पेपर की मूल प्रति रजिस्टार कार्यालय अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 से प्राप्त हुई थी जो उनके द्वारा मुझे प्रदान किया गया था जिसका बुक नम्बर 01 वालूम नम्बर 05, ग्रंथ क्रमांक 5737 पृष्ठ क्रमांक 38 से 42 डीड नम्बर - 240 है जिसका मूल प्रति मेरे घर शिफ्ट करने के दौरान कहीं गुम हो गया है जो कि काफी प्रयास के बावजूद भी नहीं मिल पा रहा है और न ही मिलने की कोई संभावना है। उक्त रजिस्ट्री की मूल प्रति की गुम की सूचना के सम्बध मै अपना स्वयं का शपथ पत्र प्रस्तुत कर रही हूँ ।

यदि किसी को आपत्ति हो तो 7 दिवस के भीतर अधिवक्ता- अरविन्द कन्नौजिया से संपर्क कर सकते हैं ।
आर.एन.नं0- 17868
मो.नं.-94076 22202

सपथग्रहिता
श्रीमती स्वीटी

16 साल से कोषालय में जमे डाटा एंट्री ऑपरेटर

भगवानी ठाकुर पर गंभीर आरोप

बिना कमीशन बिल पास नहीं,प्राकृतिक आपदा के बिलों में भी वसूली का आरोप

सुशासन सरकार में भी नही सुधर रही कोषालय की दशा और दिशा

कोषालय अधिकारी की आंख में धूल झोंक रहे कर्मचारी

ड्यूटी टाईम ढाबा में क्या करता है ऑपरेटर,जांच का विषय ?

डाटा इंट्री आपरेटर की मनमानी पड़ रही सरकार की छवि पर भारी,महिलाओं के खिलाफ की करता रहता है अभद्र टिप्पणी,कलेक्टर से भी हो चुकी है शिकायत

कमीशन के बिना नहीं होता बिल पास

कर्मचारियों का आरोप है कि भगवानी ठाकुर बिना कमीशन लिए किसी भी विभाग का बिल पास नहीं करता। यहां तक कि प्राकृतिक आपदा जैसी आपात मदों के बिलों में भी वसूली की मांग की जाती है। बिलों में जानबूझकर आपत्ति लगाकर रोका जाता है और इच्छापूर्ति के बाद ही पास किया जाता है।

2009 से एक ही कुर्सी पर बैठा...बढ़ा रसूख और हौसला

सूत्रों के अनुसार,ठाकुर की पहली पदस्थापना वर्ष 2009 में कोरिया कोषालय में हुई थी और तब से वह वहीं जमे हुए हैं। लंबे समय तक एक ही जगह पदस्थ रहने से न केवल उनका प्रभाव बढ़ा है, बल्कि अधिकारियों पर भी दबाव बनाने की प्रवृत्ति देखने को मिली है।

डाटा एंट्री ऑपरेटर से बिल पासिंग का काम

नियमों का उल्लंघन-कोषालय संहिता के अनुसार,बिल पासिंग का कार्य लिपिकों का होता है। बावजूद इसके भगवानी ठाकुर को यह जिम्मेदारी दी गई है। सूत्र बताते हैं कि इससे न केवल नियमों की अनदेखी हो रही है बल्कि लेखा प्रशिक्षित लिपिकों के अधिकारों का भी हनन हो रहा है।

ड्यूटी टाइम में ढाबा में नजर आता है ऑपरेटर

विश्वस्त सूत्रों के अनुसार, भगवानी ठाकुर ड्यूटी टाइम में अक्सर कलेक्टोरेट रोड स्थित ढाबों में नजर आता है। कई बार वह अन्य कर्मचारियों को भी ढाबा ले जाकर खर्च करवाता है। अधिकारी अनुपस्थित रहते हैं तो वह कार्यालय छोड़कर बाहर घूमता रहता है।

कार्रवाई की मांग...क्या कलेक्टर लेंगी संज्ञान ?

कर्मचारियों का कहना है कि ऐसे अनुशासनहीन कर्मचारी को संवेदनशील स्थान पर पदस्थ रखना उचित नहीं है। महिला कर्मचारियों में भय का माहौल है। अब कर्मचारियों ने पुनः कलेक्टर से मांग की है कि भगवानी ठाकुर को तत्काल कोषालय से हटाया जाए, जिससे कार्यालय का माहौल सुधर सके।

-संवाददाता-
कोरिया,03 नवंबर 2025
(घटती-घटना)।

जिला कोषालय कोरिया में पदस्थ डाटा एंट्री ऑपरेटर भगवानी ठाकुर एक बार फिर सुर्खियों में हैं। पिछले 16 वर्षों से एक ही जगह पदस्थ इस कर्मचारी पर भ्रष्टाचार, महिला कर्मचारियों के प्रति अभद्र व्यवहार और ड्यूटी समय में अनुशासनहीनता के गंभीर आरोप लगे हैं। बताया जा रहा है कि उसके कारण कोषालय का माहौल बिगड़ गया है और शासन की सुशासन छवि पर भी धब्बा लग रहा है।

महिला कर्मचारियों से अभद्र व्यवहार की शिकायतें,कलेक्टर ने लगाई थी फटकार

कलेक्ट्रेट स्थित महिला कर्मचारियों ने भी उसके व्यवहार को लेकर शिकायतें की हैं। बताया जाता है कि भगवानी ठाकुर द्वारा महिला कर्मचारियों के खिलाफ अभद्र और चारित्रिक टिप्पणी की जाती है। कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने पूर्व में उसे फटकार भी लगाई थी,परन्तु उसके व्यवहार में सुधार नहीं हुआ है।

बालको ने कोरबा राज्योत्सव में औद्योगिक और सामुदायिक विकास की झलक पेश की

-संवाददाता-
कोरबा,03 नवंबर 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ की रजत जयंती के अवसर पर आयोजित राज्योत्सव-2025 कोरबा में भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) के पैवेलियन ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। कंपनी ने अपने स्टॉल के माध्यम से राज्य के औद्योगिक, तकनीकी और सामाजिक विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

कोरबा राज्योत्सव के मुख्य अतिथि कटघोरा विधायक श्री प्रेमचंद पटेल, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने बालको पैवेलियन का भ्रमण किया और कंपनी द्वारा किए जा रहे सामुदायिक विकास कार्यों तथा अत्याधुनिक औद्योगिक प्रगति की सराहना की। बालको पैवेलियन में आगंतुकों को एल्यूमिनियम निर्माण प्रक्रिया, पर्यावरण संरक्षण उपायों और नवाचार तकनीक की जानकारी दी गई। साथ ही कंपनी की प्रमुख सामुदायिक विकास परियोजनाएं, उन्नति, मोर जल मोर माटी, वेदांता स्किल स्कूल, नंदघर, के साथ ही बालको मेडिकल सेंटर, बालको अस्पताल एवं महिला स्वावलंबन की कहानियों को प्रदर्शित की गई। बालको केवल कोरबा ही नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ की औद्योगिक पहचान है। कंपनी ने अपने समर्पण और जिम्मेदारी से समुदायों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का कार्य किया है। छह दशकों की अपनी गौरवशाली यात्रा में बालको ने औद्योगिक उत्कृष्टता के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में भी मिसाल कायम की है। कंपनी वर्तमान में कोरबा एवं आसपास के 123 गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, आजीविका और आधारभूत संरचना सुदृढ़ीकरण जैसे क्षेत्रों में कार्य कर रही है, जिससे अब तक 2 लाख से अधिक लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।

बालको प्रबंधन ने कहा कि छत्तीसगढ़ की रजत जयंती राज्य की प्रगति और आत्मनिर्भरता की कहानी का प्रतीक है। बालको इस यात्रा में सदैव राज्य सरकार और समुदाय के साथ मिलकर सतत विकास के पथ पर अग्रसर रहेगा। इस अवसर पर बालको के अधिकारीगण, स्थानीय जनप्रतिनिधि, नागरिकगण एवं बड़ी संख्या में आगंतुक उपस्थित रहे।

डॉ. भीमराव अंबेडकर ओपन थियेटर मैदान में जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह का हुआ आगाज

-संवाददाता-
कोरबा,03 नवंबर 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत महोत्सव के अवसर पर आज जिला मुख्यालय के घण्टाघर चौक स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर ओपन थियेटर मैदान में

कटघोरा विधायक श्री प्रेमचंद पटेल के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह का शुभारंभ हो गया है। मुख्य अतिथि श्री पटेल सहित अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। साथ ही सभी अतिथियों द्वारा विभागीय स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं की प्रगति का अवलोकन किया गया। श्री पटेल सहित सभी अतिथियों ने जिलेवासियों को राज्योत्सव की शुभकामनाएं दी एवं राज्य के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने हेतु प्रोत्साहित किया। यहाँ विशिष्ट अतिथि के रूप में महापौर नगर निगम कोरबा श्रीमती संजू देवी राजपूत, अध्यक्ष जिला पंचायत डॉ पवन सिंह, सभापति नगर निगम श्री नूतन सिंह ठाकुर, पार्षद वार्ड क्रमांक 24 श्री पंकज देवांगन सहित अन्य अतिथि शामिल हुए। राज्योत्सव में छत्तीसगढ़ी लोकप्रिय जसगीत गायक श्री दिलीप षड़ंगी अपनी कार्यक्रम प्रस्तुत कर रहे। उनकी भावपूर्ण जसगीत सुनकर दर्शक उत्साह से झूम रहे।

साथ ही स्थानीय कलाकारों द्वारा शानदार व रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। राज्योत्सव में विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा विकास पर आधारित स्टॉल लगाई गई है।

राज्योत्सव में चमका 'कोरिया विकास मॉडल' - तब और अब की झलक ने खींचा लोगों का ध्यान

विभिन्न विभागों के आकर्षक मॉडलों व प्रदर्शनी को देखने उमड़ी भीड़,स्थानीय कारीगरों ने दी विकास यात्रा को सजीव अभिव्यक्ति...

तब और अब की 25 बरस यात्रा

पेयजल प्रदाय योजना में हुए बदलाव को भी विकास मॉडल में प्रमुखता मिली है,जहाँ पहले हैंडपंप पर निर्भरता थी, वहीं अब सोलर आधारित जल प्रदाय प्रणाली और पानी टंकी के माध्यम से घर-घर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावा विभिन्न विभागों द्वारा भी आकर्षक मॉडल व स्टॉल लगाए गए हैं। आदिम जाति विकास विभाग ने पारंपरिक आवश्यकता की वस्तुएँ, स्कूल शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों द्वारा बनाया गया सेंसर आधारित स्मार्ट डस्टबिन, पुलिस विभाग ने यातायात जागरूकता मॉडल, महिला एवं बाल विकास विभाग ने आंगनवाड़ी से सखी वन-स्टॉप सेंटर तक की सेवाएँ, समाज कल्याण विभाग ने नशामुक्ति पर संवेदनशील प्रस्तुति, मछली व पशुधन विभाग ने जीवंत मछली और मुर्गी प्रजातियाँ, रेशम विभाग ने कोसा से बनी साड़ी, शॉल और जैकेट कृषि व उद्यानिकी विभाग द्वारा मशरूम, मधुमक्खी पालन, ड्रेगन फ्रूट व ऑयल पाम का प्रदर्शन, आयुष विभाग द्वारा योग और आयुर्वेद आधारित उपचार मॉडल को प्रदर्शनी में दिखाया है, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री आवास, सोलर पैनल और स्वच्छता के मॉडल को बेहद ही खूबसूरती से तराशा गया है।

-राजन पाण्डेय-
कोरिया,03 नवंबर 2025
(घटती-घटना)।

बैकुंठपुर में आयोजित तीन दिवसीय राज्योत्सव का शुभारंभ रविवार को क्षेत्रीय विधायक श्री भइया लाल राजवाड़े द्वारा किया गया। राज्योस्थल पर लगे विभागीय स्टॉलों और विकास मॉडलों को देखने जिलेवासी बड़ी संख्या में पहुँच रहे हैं। विशेष रूप से 'तब और अब' की अवधारणा पर आधारित कोरिया का विकास मॉडल सभी के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, जिसे नागरिकों द्वारा खूब सराहा जा रहा है।

आधुनिक संरचना और सुविधाओं के नए सोपान

नगर पालिका परिषद, बैकुंठपुर द्वारा वर्ष 2000 से 2025 तक की विकास यात्रा को शानदार ढंग से प्रदर्शित किया गया है। जहाँ कभी नगर पंचायत के रूप में कोरिया की पहचान थी,वहीं 25 वर्षों में नगर ने घड़ी चौक से कुमार चौक,प्रतीक्षा बस स्टैंड से मानस भवन तक आधुनिक संरचना और सुविधाओं के नए सोपान को प्राप्त किया है।

प्रभावशाली चित्रण

जिला प्रशासन द्वारा तैयार कोरिया विकास मॉडल में सीसी सड़क, अस्पताल, स्कूल, विद्युतीकरण, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क, छात्रावास से लेकर गुरु घासीदास तमोर पिंगला टाइगर रिज़र्व के मुख्य द्वार तक का प्रभावशाली चित्रण किया गया है। इसके साथ ही बालम पहाड़ी, घुनघुट्टा डैम, गेज नदी और झुमका डैम जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों की प्राकृतिक सुंदरता ने आगंतुकों का मन मोह लिया।

ऐतिहासिक व सांस्कृतिक स्थलों ने लोगों की उत्सुकता और बढ़ाई

पर्यटन विभाग द्वारा जिले की जैव विविधता को दिखाते हुए फ्लेमबैक, नीलमणि,सरेस,धनेश,लहटोरा,हिरण,हाथी और बाघ जैसे वन्य जीवों के आकर्षक छायाचित्र प्रदर्शित किए गए हैं। वहीं रॉक पेंटिंग, हसदेव उद्गम, नीलकंठ पहाड़ी और गौरघाट जैसे ऐतिहासिक व सांस्कृतिक स्थलों ने लोगों की उत्सुकता और बढ़ा दी।

कोरिया अमृत से मिल रहा स्वाद

इसी क्रम में कोरिया अमृत उत्पाद गैलरी भी लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बनी हुई है, जहाँ महिला स्व-सहायता समूह द्वारा निर्मित सोनहनी शहद, आचार, पापड़, कोरिया मोदक आदि उत्पादों की बिक्री लगातार जारी है, पूरी प्रदर्शनी की विशेषता यह है कि इसमें उपयोग किए गए मॉडल स्थानीय कारीगरों और कलाकारों द्वारा तैयार किए गए हैं, जिसमें कोरिया की कला, संस्कृति और विकास यात्रा की पहचान जीवंत रूप में दिखाई देती है।

CMYK

शाहरुख मां के सपने के लिए बने एक्टर

पहली कमाई थी 50 रुपए,आज हैं दुनिया के सबसे अमीर एक्टर

दिल्ली का एक लड़का,जिसका सपना था कि वह आर्मी में जाए और देश की सेवा करे। खेल-कूद में भी वह आगे था और अपनी कॉलेज की हॉकी टीम का कप्तान था,लेकिन एक दिन अचानक उसे चोट लग गई और उसके बाद उसका स्पोर्ट्स करियर खत्म हो गया। लेकिन वह जीरो को बहुत खास मानता है,क्योंकि जीरो एक नई शुरुआत देता है। इसके बाद उसने थिएटर में एक्टिंग शुरू की और कुछ सालों में बन गया बॉलीवुड का सुपरस्टार। जी हां, हम बात कर रहे हैं शाहरुख खान की।

दुआ में वो ताकत है,जो जिंदगी बदल सकती है...

जब शाहरुख 15 साल के थे,तब उनके पिता का निधन हो गया। इसके बाद 1991 में,जब वह 26 साल के थे,उनकी मां भी चल बसीं। शाहरुख खान ने अनुपम खेर के शो में बताया था कि जिस दिन उनकी मां ने आखिरी सांस ली, उस दिन वे दिल्ली के बत्रा हॉस्पिटल की पार्किंग में बैठे दुआ कर रहे थे। किसी ने उन्हें कहा था कि अगर वे लगातार दुआ पढ़ते रहेंगे,तो मां को कुछ नहीं होगा। शाहरुख ने कहा,'मुझे सौ बार दुआ पढ़ने को कहा गया था, लेकिन मैंने सौ से भी ज्यादा बार पढ़ी। मुझे यकीन था कि मेरी दुआ मां को रोक लेगी।' लेकिन तभी डॉक्टर आए और बोले-'आप आईसीयू में जा सकते हैं।'शाहरुख समझ गए कि अब मां की आखिरी घड़ी आ गई है। वे नहीं जाना चाहते थे,क्योंकि उन्हें लगता था कि अगर दुआ जारी रखी तो मां बच जाएंगी,लेकिन बहन और परिवार के कहने पर वे अंदर गए। शाहरुख ने आगे कहा था,'मुझे लगता है कि इंसान तब ही दुनिया छोड़ता है, जब वह हर चीज से संतुष्ट हो जाता है क्योंकि अगर ऐसा न हो, तो मां-बाप बच्चों को छोड़ नहीं पाते।' इसलिए उन्होंने मां से कहा-'अगर आप चली गईं तो मैं बहन का ख्याल नहीं रखूंगा, पढ़ाई नहीं करूंगा, कुछ नहीं करूंगा।' वे सोचते रहे कि अगर मां को लगेगा बेटा अब भी अधूरा है, तो शायद वे रुक जाएंगी, लेकिन शायद मां को भरोसा था कि शाहरुख सब संभाल लेंगे। शायद यही दुआ और अधूरी ख्वाहिश थी जिसने शाहरुख खान की जिंदगी को बदल दिया और उन्हें आज वो बना दिया, जिसकी कल्पना शायद उनके मां-बाप ने भी की होगी।

प्यार सबसे बड़ी ताकत है,रिस्क लेना पड़े,तो लें...

शाहरुख खान और गौरी की लव स्टोरी इस बात का प्रमाण है कि प्यार दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है और यह धर्म व सामाजिक दर्जे से कहीं ऊपर है। 1984 में,जब शाहरुख 19 और गौरी 14 साल की थीं,दोनों दिल्ली में एक पार्टी में मिले थे और शाहरुख को पहली नजर में ही गौरी से प्यार हो गया। उनकी प्रेम कहानी में कई मुश्किलें आईं,खासकर धर्म और परिवार की तरफ से विरोध के कारण। एक बार जब गौरी शाहरुख के अत्यधिक पजेसिव व्यवहार से परेशान होकर मुंबई चली गईं,तो शाहरुख उनके पीछे मुंबई चले गए और आखिरकार दोनों ने गोरेगांव बीच पर सुलह कर ली। गौरी के परिवार के सामने शाहरुख 5 साल तक हिंदू बने रहे,लेकिन जब सच सामने आया,तो उन्हें बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ा। गौरी के परिवार को मनाने के लिए शाहरुख ने कई कोशिशें कीं। इस वजह से दोनों को तीन बार शादी करनी पड़ी। पहली शादी कोर्ट मैरिज,दूसरी मुस्लिम रीति-रिवाज से निकाह और तीसरी शादी पंजाबी स्टाइल में। 1991 में दोनों की शादी हुई। आज,शादी के तीन दशकों से भी ज्यादा समय बाद,वे न केवल बॉलीवुड के सबसे मजबूत कपल में से एक हैं,बल्कि एक सफल प्रोडक्शन कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट भी चलाते हैं। उनके तीन बच्चे आर्यन खान,सुहाना खान और अबराम खान हैं। शाहरुख के घर में सभी धर्मों का सम्मान है और सभी त्योहार मनाए जाते हैं।

छोटे कदम बड़ी मंजिल तक ले जाते हैं...

शाहरुख के करियर से हम सीख सकते हैं कि जिंदगी में बड़ा मुकाम हासिल करने के लिए शुरुआत छोटे कदमों से करनी पड़ती है और रिस्क लेना जरूरी होता है। शाहरुख ने अपने करियर की शुरुआत टीवी सीरियल से की। उन्होंने फौजी (1989),दिल दरिया (1988) और सर्कस जैसे टीवी शो में काम किया। इन शो में अपनी दमदार परफॉर्मेंस के बाद ही शाहरुख को फिल्मों के ऑफर मिलने लगे और 1992 में उन्होंने फिल्म दीवाना से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इसके बाद जब वह फिल्मों में आए,तो उन्होंने केवल हीरो की भूमिका के पीछे भागने के बजाय बाजीगर और डर जैसी फिल्मों में नेगेटिव किरदार निभाए और अलग पहचान बनाई। फिल्म डर के समय सनी देओल एक स्टार थे, जबकि शाहरुख नए कलाकार थे। उन्होंने विलेन का किरदार निभाया, लेकिन उनकी शानदार एक्टिंग ने उनके रोल को बेहद लोकप्रिय बना दिया। शाहरुख खान को 1994 में 39 वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में फिल्म बाजीगर के लिए बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला। उसी साल डर के लिए बेस्ट विलेन के लिए भी नॉमिनेट हुए थे। वहीं, फिल्म अंजाम (1994) लिए उन्हें बेस्ट विलेन का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला था।

अपनी काबिलियत पर भरोसा करो,दुनिया मानेगी...

जब शाहरुख ने बहुत कम फिल्में की थीं,तब भी उनमें आत्मविश्वास की कमी नहीं थी। शाहरुख ने खुद पत्रकार रजत शर्मा से कहा था कि जैसे आप अपने शो 'आप की अदालत' में राजेश खन्ना को लेकर आए,वैसे ही मुझे भी लेकर आइए। इसके बाद जब रजत शर्मा ने शाहरुख को अपने शो में बुलाने का विचार बनाया तो उनकी प्रोडक्शन टीम झिझक रही थी। टीम का मानना था कि अब तक उन्होंने सिर्फ राजेश खन्ना जैसे सुपरस्टार को बुलाया था और किसी नए कलाकार को बुलाना उनके शो के लेवल के खिलाफ हो सकता है। हालांकि रजत शर्मा ने शाहरुख को अपने शो में बुलाया। शो बहुत शानदार रहा और शाहरुख ने सभी सवालों के जवाब बड़े आत्मविश्वास के साथ दिए। शाहरुख ने बाद में खुद रजत शर्मा को बताया था कि इस इंटरव्यू के बाद अगर उन्हें चाहने वालों की संख्या 5,000 थी,तो वह बढ़कर 5 लाख हो गई। वहीं,करियर की शुरुआत में शाहरुख को उनके लुक्स को लेकर भी जज किया गया। प्रोडयूसर विवेक वासवानी ने बताया था कि जब वे एक फिल्म के सिलसिले में शाहरुख के साथ हेमा मालिनी से मिलने गए थे, तो हेमा ने शाहरुख को 'बदसूरत' कहा था। हालांकि उन्होंने शाहरुख को अपनी फिल्म में कास्ट किया था। शाहरुख ने 2024 में लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल में बताया था कि एक डायरेक्टर ने उनसे कहा था,'तुम्हारी सबसे आकर्षक बात ये है कि तुम बहुत बदसूरत हो। बाकी सारे हीरो स्विस चॉकलेट जैसे दिखते हैं।'शाहरुख ने जवाब दिया था,'अगर मैं बदसूरत हूं, तो मैं विलेन के रोल करूंगा। ' उसके बाद उन्होंने डर जैसी फिल्मों में ग्रे और नेगेटिव किरदार निभाए,लेकिन उनकी एक्टिंग इतनी दमदार रही कि यश चोपड़ा जैसे फिल्ममेकर ने कहा-'तुम बुरे नहीं लगते,तुम्हें एक लव स्टोरी करनी चाहिए।' इसके बाद दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे आई और शाहरुख रोमांस में भी छा गए। आज शाहरुख खान अपनी करिश्माई पर्सनैलिटी और आत्मविश्वास के लिए जाने जाते हैं। उनकी जर्नी साबित करती है कि अगर आप खुद पर भरोसा रखें, तो लोग क्या सोचते हैं, इससे फर्क नहीं पड़ता।

औकात से बड़ा सोचो,तो सब मिलेगा...

शाहरुख खान की जिंदगी में एक चीज साफ है कि उन्होंने हमेशा औकात से बड़ा सोचो का सिद्धांत अपनाया है। शाहरुख ने 1997 में अपनी फिल्म यस बॉस की शूटिंग के दौरान मन्नत को पहली बार देखा। उस समय यह बंगला 'विला वियना' के नाम से जाना जाता था। समुद्र के किनारे खड़ा यह बंगला उनकी नजर में बिल्कुल सपनों जैसा था। हालांकि चुनौती यह थी कि एक सक्सेसफुल एक्टर होने के बावजूद शाहरुख के पास इतने बड़े घर को खरीदने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं थे। फिर भी उन्होंने सोचा कि अगर वह यह अवसर खो देंगे,तो जीवन में हमेशा कमी का एहसास रहेगा। शाहरुख ने यह बंगला गौरी के जन्मदिन पर उन्हें गिफ्ट किया था। हालांकि इसे खरीदना आसान नहीं था। 2001 में,जब उन्हें यह बंगला खरीदने का मौका मिला,उन्होंने हिम्मत दिखाई और अपने सपने को सच करने का फैसला लिया। शाहरुख की करीबी शबीना खान ने अपने आर्टिकल 'द एसआरके स्टोरी' में लिखा था कि जब शाहरुख ने 'मन्नत' खरीदा, तब उनके पास केवल 2 करोड़ रुपए थे,जबकि बंगले की कीमत करीब 30 करोड़ रुपए थी। बाकी पैसे उन्होंने लोन लेकर दिए। लेकिन अब समस्या थी घर को सजाना। उन्होंने एक इंटीरियर डिजाइनर से संपर्क किया,लेकिन उसकी फीस इतनी ज्यादा थी जिसके चलते शाहरुख ने गौरी से कहा कि वे खुद ही घर का इंटीरियर डिजाइन करें। गौरी ने यह चुनौती स्वीकार की और घर के हर कोने में अपनी कला का जादू बिखेर दिया। आज शाहरुख के घर मन्नत की कीमत 200 करोड़ रुपए से भी अधिक है।

बदलते दौर के साथ तालमेल बिठाने के लिए बदलाव जरूरी...

शाहरुख खान टेक्नोलॉजी फ्रेंडली हैं। साथ वे किसी भी नए बदलाव को अपनाने में विश्वास रखते हैं। 1996 में,आमिर खान को शाहरुख ने उन्हें एक लैपटॉप खरीदने के लिए प्रेरित किया था। इतना ही नहीं,उन्होंने आमिर को एक लैपटॉप गिफ्ट किया और उसे खुद सेटअप करके भी दिया था। वहीं,एक सक्सेसफुल एक्टर होने के बाद भी 2002 में उन्होंने अपनी पत्नी गौरी खान के साथ रेड चिलीज एंटरटेनमेंट की स्थापना की। यह कंपनी सिर्फ फिल्मों का प्रोडक्शन ही नहीं करती,बल्कि डिस्ट्रीब्यूशन,मार्केटिंग और वीएफएक्स जैसी तकनीकी सेवाएं भी प्रदान करती है। इसके अलावा शाहरुख ने 2008 में कोलकाता नाइट राइडर्स टीम खरीदी और इसके बाद क्रिकेट की अन्य लीग में भी निवेश किया, जैसे कैरेबियन प्रीमियर लीग की ट्रिनबागो नाइट राइडर्स और अबू धाबी नाइट राइडर्स।

परिवार सबसे पहले,बाकी सब बाद में...

शाहरुख के लिए परिवार हमेशा प्राथमिकता रहा है। वो पहले फिल्मों में काम नहीं करना चाहते थे, लेकिन मां के निधन के बाद वो खुद फिल्म प्रोड्यूसर विवेक वासवानी के पास गए और बोले,'मैं आपके साथ फिल्म करूंगा। ' इस पर वासवानी ने कहा,'आप तो फिल्म में काम नहीं करना चाहते थे।' इस पर शाहरुख ने कहा था,'अब मुझे फिल्में करनी हैं, क्योंकि यह मेरी मां का सपना था कि मैं सुपरस्टार बनूं। अब मैं उनके सपने को पूरा करने के लिए फिल्में करना चाहता हूं। ' उन्होंने अपने करियर के शुरुआती संघर्ष और सुपरस्टार बनने के बाद भी परिवार को कभी पीछे नहीं छोड़ा। करियर की बिल्कुल शुरुआत में ही उन्होंने 1991 में गौरी खान से शादी की और हमेशा उन्हें अपनी ताकत बताया। शाहरुख ने कहा था कि अगर उन्हें करियर और गौरी में से किसी एक को चुनना पड़े,तो वह गौरी को चुनेंगे। अपने बच्चों आर्यन,सुहाना और अबराम के साथ उनका दोस्ताना रिश्ता है। माता-पिता के निधन के बाद उन्होंने अपनी बहन शहनाज की जिम्मेदारी संभाली और आज भी वह उनके साथ 'मन्नत' में रहती हैं।

उम्र सिर्फ एक नंबर है, जज्बा असली ताकत है...

साल 2023 में शाहरुख खान ने 57 साल से अधिक की उम्र में भी अपनी फिटनेस, ऊर्जा और एक्शन-हीरो की छवि से यह साबित कर दिया कि उम्र सिर्फ एक संख्या है। पठान के लिए शाहरुख ने खतरनाक स्टंट्स के साथ-साथ एक शानदार फिजीक भी बनाई, जिसके लिए उन्होंने दो साल तक कड़ी मेहनत और डाइट का पालन किया। उनकी इस ट्रांसफॉर्मेशन ने उनके एक्शन अवतार को और भी विश्वसनीय बना दिया।

हार के जीतने वाले को बाजीगर कहते हैं...

शाहरुख खान की जिंदगी और करियर इस बात का सबूत है कि हार के जीतने वाले को बाजीगर कहते हैं। साल 2014 के बाद उनका सफर आसान नहीं रहा। फैन (2016) और जब हैरी मेट सेजल (2017) जैसी फिल्मों से उन्हें उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली। सबसे बड़ा झटका 2018 की फिल्म जीरो से लगा, 200 करोड़ रुपए की बजट वाली इस फिल्म ने 191.43 करोड़ रुपए कमाए थे। जिसके बाद शाहरुख ने फिल्मों से ब्रेक लेने का फैसला किया। लेकिन जैसा कि हमेशा कहा जाता है, असली खिलाड़ी वही होता है जो गिरकर भी उठता है और शाहरुख ने यह कर दिखाया। चार साल बाद 2023 में उन्होंने तीन फिल्मों के साथ शानदार वापसी की। साल की शुरुआत पठान से हुई, जिसने 1,050 करोड़ रुपए की कमाई कर बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़े और शाहरुख को फिर से 'एक्शन हीरो' के रूप में स्थापित किया। इसके बाद जवान आई, जिसने पठान से भी ज्यादा सफलता हासिल की और ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर 1,148 से 1,160 करोड़ रुपए तक कमाए। साल के अंत में डंकी ने भी लगभग 470.6 करोड़ रुपए की शानदार कमाई की। चार साल के ब्रेक के बाद जब कई लोगों ने उनकी वापसी को लेकर संदेह जताया, तब उन्होंने पठान और जवान जैसी लगातार दो ब्लॉकबस्टर फिल्में देकर आलोचकों को चुप करा दिया।

जो बदलना चाहता है, उसके लिए हर वक्त सही है...

अपने 59 वें जन्मदिन पर शाहरुख खान ने घोषणा की थी कि उन्होंने स्मोकिंग छोड़ दी है। शाहरुख ने कहा था कि एक अच्छी बात यह है कि अब वह स्मोकिंग नहीं कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि स्मोकिंग छोड़ने के बाद भी उन्हें सांस फूलने की दिक्कत होती है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि समय के साथ यह भी ठीक हो जाएगा। शाहरुख ने साफ कहा था कि वह धूम्रपान छोड़ने पर किसी के लिए रोल मॉडल नहीं बनना चाहते। यह उनका निजी फैसला है। उन्होंने बताया था कि उन्होंने करीब 30 साल तक बहुत ज्यादा स्मोकिंग की है। वह एक दिन में 100 सिगरेट और 30 कप ब्लैक कॉफी पीने की बात भी पहले स्वीकार कर चुके हैं। अंत में बस यही कहेंगे- शाहरुख खान का सफर दिल्ली के एक लड़के के रूप में शुरू हुआ था और आज वह न केवल देश बल्कि दुनिया के सबसे बड़े फैनबेस और स्टार फॉलोइंग वाले कलाकारों में से एक हैं। उन्होंने 90 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' भारतीय सिनेमा की सबसे लंबे समय तक चलने वाली फिल्म बनी और 'जवान' हिंदी सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक है। शाहरुख को फिल्मफेयर, पद्मश्री और नेशनल अवॉर्ड जैसे कई सम्मान मिले हैं। जिस शाहरुख को कभी पहली कमाई के रूप में 50 रुपए मिले थे, वही आज दुनिया के सबसे अमीर एक्टर हैं। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025 के अनुसार शाहरुख की कुल संपत्ति 1.4 बिलियन डॉलर (लगभग 12,490 करोड़ रुपए) है। उनके पीछे अर्नोल्ड, टेलर स्विफ्ट, सेलेना गोमेज और टॉम क्रूज जैसे कई मशहूर सेलेब्स हैं।

शाहरुख खान के पांच मोटिवेशनल फिल्मी डायलॉग

अगर किसी चीज को दिल से चाहो तो पूरी कायनात उसे तुमसे मिलाने की कोशिश में लग जाती है।

ओम शांति ओम

हार तब होती है, जब हार मान ली जाए।

दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे

अपने अतीत को अपने वर्तमान को ब्लैकमेल करने और अपने खूबसूरत भविष्य को बर्बाद करने की अनुमति न दें।

डियर जिंदगी

डोंट अंडरएस्टीमेट द पावर ऑफ अ कॉमन मैन।

ओम शांति ओम

मैं नहीं मानता हमारा देश दुनिया का सबसे महान देश है, लेकिन यह जरूर मानता हूं कि हममें ताकत है, काबिलियत है, अपने देश को महान बनाने की।

स्वदेश

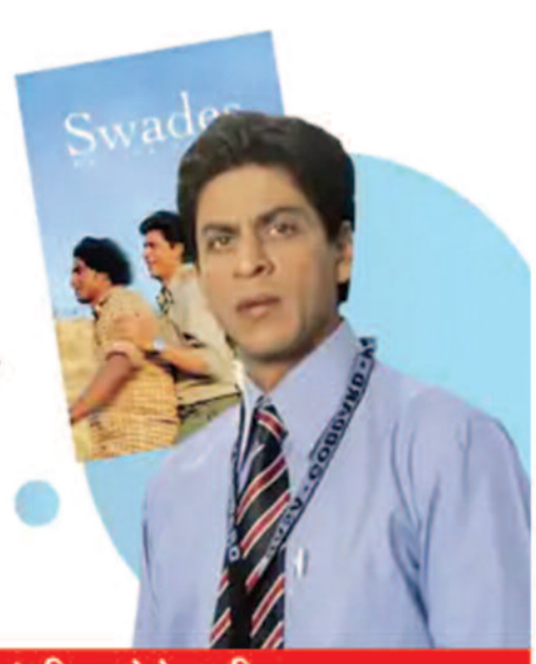

नेगेटिव लोगों को जवाब शांत दिमाग से देना चाहिए...

शाहरुख खान को बॉलीवुड का बादशाह सिर्फ उनकी एक्टिंग की वजह से नहीं कहा जाता, बल्कि उनकी पर्सनैलिटी की वजह से भी कहा जाता है। उनका सेंस ऑफ ह्यूमर कमाल का है। उनसे सीखा जा सकता है कि नेगेटिव लोगों को कैसे हैंडिल करना चाहिए। इसका उदाहरण साल 2016 की एक घटना है,जब टीवीएफ की टीम के साथ एक लाइव सेशन के दौरान एक यूजर ने मजाक या नफरत में शाहरुख को 'छक्का' कह दिया। ज्यादातर लोग ऐसी स्थिति में नाराज हो जाते या जवाब देने से बचते, लेकिन शाहरुख ने खुद वह कमेंट पढ़ा और मुस्कुराते हुए जवाब दिया—'मैं इतना बड़ा हूं कि चौक्का तो नहीं हो सकता,न सिंगल हूं मेरे दोस्त,छक्का ही मारूंगा! 'शाहरुख के इस जवाब के बाद बगल में बैठे एक्टर जीतेन्द्र कुमार और एक्ट्रेस निधि बिष्ट भी उनका जवाब सुनकर तालियां बजाने लगे।

नगर निगम कोरबा की झांकी बनी चर्चा का विषय

नेताओं के कटआउट से सजी 'पशु वाहन की झांकी' ने खींचा लोगों का ध्यान

कोरबा,03 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। नगर निगम कोरबा द्वारा निकाली गई झांकी इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। झांकी में शहर और प्रदेश के प्रमुख जनप्रतिनिधियों के आकर्षक कटआउट लगाए गए हैं,जो देखने वालों का ध्यान अपनी ओर खींच रहे हैं, यह झांकी 'निगम कोरबा - पशु वाहन झांकी' नाम से ट्रैक्टर-ट्रॉली में सजाई गई है,जिसे नगर निगम ने विशेष अवसर पर तैयार कराया। झांकी में प्रमुख नेताओं की तस्वीरें और स्वागत की मुद्रा में बने कटआउट इसे और भी आकर्षक बना रहे हैं,शहरवासियों ने झांकी को देखते हुए तस्वीरें खींची और सोशल मीडिया पर साझा किया। कई लोगों ने इसे नगर निगम की ओर से रचनात्मक पहल बताया, नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि इस झांकी का उद्देश्य जनप्रतिनिधियों द्वारा किए गए विकास कार्यों और नगर निगम की उपलब्धियों को जनता तक पहुँचाना है, आगामी आयोजनों में भी यह झांकी प्रदर्शित की जाएगी। वैसे इस झांकी को लेकर लोग व्यंग भी कसते नज़र आए, कुछ लोगों ने इसको लेकर यह भी कहा कि ऐसा किया जाना गलत है प्रदेश के माननीय जनप्रतिनिधियों का यह अपमान है,लोगों ने कहा कि ट्राली में इसे ले जाया जा रहा था वहीं लगाने के लिए तब तो कोई बात नहीं यह आम बात है लेकिन यदि यह प्रदर्शनी है तो वाहन को सजाया जाना चाहिए, वैसे इस मामले में नगर निगम प्रबंधन का कोई बयान सामने नहीं आया है,वैसे जो लोग इसे गलत बता रहे हैं वह इस मामले में कार्यवाही की भी बात कर रहे हैं और उनका कहना है कि यदि यह अनादर है प्रदेश सरकार के नेतृत्व कर्ताओं का तो मामले में कार्यवाही होनी चाहिए।

रायपुर में बाइक से 10.6 किलो गांजे की तस्करी,3 तस्कर गिरफ्तार

रायपुर, 03 नवम्बर 2025। नशे के खिलाफ रायपुर पुलिस की सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर चल रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन निश्चय' के तहत एक बार फिर बड़ी सफलता हाथ लगी है। रविवार को एण्टी क्राइम एंड साइबर यूनिट और थाना तिल्दा नेवरा पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए तीन गांजा तस्करों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 10.629 किलोग्राम गांजा,एक पल्सर मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। जब्त कुल सामान की कीमत करीब 2 लाख 10 हजार रुपए आंकी गई है। मिली जानकारी के अनुसार, 3 नवंबर 2025 को एण्टी क्राइम एंड साइबर यूनिट को गुप्त सूचना मिली कि तीन युवक पल्सर बाइक में गांजा रखकर तिल्दा-नेवरा क्षेत्र की ओर जा रहे हैं। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर थाना तिल्दा नेवरा और ACC की संयुक्त टीम ने कोहका आईटीआई रोड स्थित धान फड़ के पास नाकेबंदी की। दोपहर करीब तीन बजे मुखबिर द्वारा बताए गए विवरण के अनुसार एक पल्सर मोटरसाइकिल (क्रमांक CG 04 MD 3452) आती दिखी। पुलिस ने बाइक को रोककर सवार तीनों व्यक्तियों से पूछताछ की। पूछताछ में तीनों ने अपना नाम राजेश यादव, परमेश्वर सेन और हिरेन्द्र निषाद बताया। जब टीम ने उनके बैग की तलाशी ली, तो उसमें अलग-अलग पैकेटों में 10.629 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। इस पर पुलिस ने तीनों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।

छत्तीसगढ़ में एसआईआर सर्वे...27 हजार बीएलओ की ड्यूटी

आज से वोटर-लिस्ट वेरिफिकेशन,95% लोगों को नहीं दिखाने पड़ेंगे दस्तावेज

रायपुर,03 नवम्बर 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में आज से बिहार की तर्ज पर स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) सर्वे होगा। इस प्रोसेस में वोटर लिस्ट का अपडेशन होगा। नए वोटरों के नाम जोड़े जाएंगे। बीएलओ हर घर में 3 बार जाएंगे। जरूरत पड़ने पर दस्तावेज मांगे जाएंगे, फिर मिलान किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी यशवंत कुमार ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने बताया कि केवल 5 से 6 प्रतिशत मतदाताओं को ही दस्तावेज देने की जरूरत पड़ेगी, जबकि बाकी 90-94 प्रतिशत मतदाताओं का डेटा पहले से उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि जिन मतदाताओं का नाम 2003 के एसआईआर में है, उन्हें दोबारा दस्तावेज देने की जरूरत नहीं है। वहीं असुविधा होने पर मतदाता हेल्पलाइन नंबर 1950 पर कॉल कर सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

मतदाता सत्यापन का काम 4 नवंबर से 4 दिसंबर 2025 तक चलेगा। सीईओ ने बताया कि मसौदा मतदाता सूची 9 दिसंबर को प्रकाशित की जाएगी। मतदाता अपनी जानकारी में सुधार या आपत्ति 8 जनवरी 2026 तक दर्ज करा सकते हैं। अंतिम मतदाता सूची 7 फरवरी 2026 को जारी की जाएगी।

71 प्रतिशत मतदाताओं को मिलान हो चुका

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी यशवंत कुमार ने बताया कि अब तक 71 प्रतिशत वोटरों का मिलान पूरा हो चुका है। एन्यूमरेशन फेज में यह प्रतिशत 94 से 95 तक पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि 2003 के बाद कई वोटर स्थानांतरित हुए हैं, विशेषकर विवाहित महिलाएं, जिनका अब अन्य मतदान केंद्रों से मिलान किया जा रहा है। बीएलओ अब 'कॉल रिक्वेस्ट' फीचर के जरिए मतदाताओं की समस्याएं हल करेंगे। सीईओ ने राजनीतिक दलों से भी सहयोग की अपील की है कि वे अपने बूथ स्तरीय एजेंटों के माध्यम से आयोग की टीम को मदद दें, ताकि छूटे हुए पात्र नागरिकों को जोड़ा जा सके और मृत या स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाए जा सकें।

1 जनवरी 2025 के मुताबिक छत्तीसगढ़ में 2.11 करोड़ वोटर्स

छत्तीसगढ़ पंचायत चुनाव में निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने 1 जनवरी 2025 की तिथि में प्रदेश में मतदाताओं की कुल संख्या 2 करोड़ 11 लाख 5 हजार 391 बताई थी। इनमें 1 करोड़ 4 लाख 27 हजार 842 पुरुष मतदाता, एक करोड़ 6 लाख 76 हजार 821 महिला मतदाता और 728 तृतीय जेंडर मतदाता शामिल हैं। राज्य में निर्वाचकों का लिंगानुपात 1024 है। इस चरण में 27 हजार 199 बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) को घर-घर जाकर मतदाताओं की जानकारी की जांच करने और नए मतदाताओं के आवेदन स्वीकार करने की जिम्मेदारी दी गई है। बीएलओ हर परिवार से गणना प्रपत्र फॉर्म भरवाएंगे। इसमें मतदाता की व्यक्तिगत जानकारी और पात्रता की पुष्टि की जाएगी।

फरार सूदखोर हिस्ट्रीशीटर तोमर बंधुओं की हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका खारिज

रायपुर,03 नवम्बर 2025(ए)। राजधानी रायपुर के कुख्यात सूदखोर और हिस्ट्रीशीटर वीरेंद्र तोमर और रोहित तोमर को बिलासपुर हाईकोर्ट से बड़ी राहत नहीं मिल सकी है। दोनों भाइयों की अग्रिम जमानत याचिकाएं हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की कोर्ट ने खारिज कर दी हैं। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह फैसला सुनाया। जानकारी के अनुसार, दोनों आरोपी पिछले कई महीनों से फरार चल रहे हैं। रायपुर पुलिस ने इन दोनों को फरार घोषित करते हुए इनाम की घोषणा भी कर रखी है। आरोप है कि दोनों भाइयों ने लंबे समय से ब्याज पर पैसा देकर कई लोगों से अत्यधिक सूद वसूला और कई मामलों में धमकी व उगाही की शिकायतें भी दर्ज हैं। मामले की सुनवाई के दौरान तोमर बंधुओं की ओर से अधिवक्ता सतीश चंद वर्मा ने पैरवी की, जबकि राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता डॉ. सौरभ कुमार पांडे ने पक्ष रखा। दोनों पक्षों की विस्तृत बहस के बाद अदालत ने पाया कि आरोपियों के खिलाफ गंभीर आपराधिक पृष्ठभूमि और कई मामलों में फरारी की स्थिति को देखते हुए अग्रिम जमानत

देना उचित नहीं है। हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि जब आरोपी लगातार पुलिस जांच से बचते रहे हैं और फरारी के दौरान नए अपराधों की भी शिकायतें सामने आई हैं, तो ऐसी स्थिति में उन्हें अग्रिम जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता। हालांकि, इसी मामले में वीरेंद्र और रोहित तोमर की पत्नियों शुभ्रा तोमर और भावना तोमर समेत रिश्तेदार दिव्यांश तोमर को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। अदालत ने माना कि उनके खिलाफ प्रत्यक्ष आपराधिक भूमिका स्पष्ट नहीं है, इसलिए उन्हें अंतरिम राहत दी जा सकती है। रायपुर पुलिस सूत्रों के मुताबिक, तोमर बंधु शहर के सबसे सक्रिय सूदखोर गिरोहों में शामिल हैं। इनके खिलाफ लोन वसूली के नाम पर धमकाने, संपत्ति कब्जाने और मारपीट के कई मामले दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों को पकड़ने के लिए विशेष टीम गठित की है और शहर से बाहर संभावित ठिकानों पर दबिश भी जारी है। हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद रायपुर पुलिस को बड़ी कानूनी मजबूती मिली है। अब फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई तेज किए जाने की उम्मीद है। पुलिस का कहना है कि अग्रिम जमानत खारिज होने के बाद दोनों आरोपियों के आत्मसमर्पण या गिरफ्तारी की संभावना बढ़ गई है। बिलासपुर हाईकोर्ट का यह आदेश उन मामलों में भी एक मिसाल माना जा रहा है, जहां सूदखोरी और वित्तीय शोषण से जुड़े अपराधों में आरोपी फरार रहते हुए न्यायिक राहत पाने की कोशिश करते हैं। अदालत का निर्णय स्पष्ट संकेत देता है कि ऐसे गंभीर अपराधों में संलिप्त और फरार आरोपी किसी भी प्रकार की अग्रिम सुरक्षा पाने के पात्र नहीं हैं। फिलहाल, रायपुर पुलिस तोमर बंधुओं की तलाश में जुटी हुई है। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही दोनों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया जाएगा।

राज्योत्सव में बेमेतरा कलेक्टर पर अभद्रता का आरोप,भाजपा विधायक सहित पार्षदों ने कार्यक्रम का किया बहिष्कार

बेमेतरा,03 नवम्बर 2025(ए)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती उत्सव के दौरान बेमेतरा में उस वक्त हंगामा हो गया, जब भाजपा के जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। मामला इतना बढ़ गया कि विधायक दीपेश साहू सहित अन्य भाजपा नेताओं ने कार्यक्रम स्थल से बहिर्गमन कर दिया। यह बवाल सांसद विजय बघेल की मौजूदगी में हुआ। भाजपा कार्यकर्ताओं का आरोप है कि कलेक्टर रणबीर शर्मा ने उन्हें अपमानित किया, जिससे वे कार्यक्रम स्थल से बहिर्गमन कर गए। इस घटना के संबंध में भाजपा के एक कार्यकर्ता ने बताया कि राज्योत्सव कार्यक्रम चल रहा था। वहीं सामने कलेक्टर भी बैठे थे और उनके ठीक पीछे हम लोग बैठे हुए थे। इसी दौरान वेटर कुछ काम कर रहे थे,तभी कलेक्टर ने उन्हें डांटते हुए कहा,चलो, यहां से भागो। उसके कुछ ही सेकंड बाद उन्होंने ऊंची आवाज में हमें भी कहा चलो आप लोग भी यहां से पीछे बैठो। यह बात हमें अच्छी नहीं लगी। हम जनप्रतिनिधि हैं, हमारे साथ पार्षद भी थे।

फाइटर जेट्स की गर्जना से गूंज उठा नवा रायपुर

रायपुर,03 नवम्बर 2025(ए)। सोमवार को नया रायपुर का आसमान इंडियन एयरफोर्स की फाइटर जेट्स की गर्जना से गूंज उठा। यह फाइटर जेट 4 और 5 नवंबर को आसमान में करतब दिखाएंगे। अब आपको बताते हैं सूर्य किरण एरोमेटिक टीम और उसमें शामिल फाइटर प्लेंस के बारे में। 1996 में गठित सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम भारतीय वायुसेना की सटीकता, साहस और तकनीकी दक्षता का प्रतीक है। अपने गठन के बाद से इस टीम ने भारत की हवाई क्षमता और अनुशासन का भव्य प्रदर्शन देश-

विदेश के अनेक मंचों पर किया है। सूर्यकिरण टीम एशिया की एकमात्र नौ विमान की एरोबैटिक डिस्प्ले टीम है, जो भारतीय वायुसेना की तकनीकी क्षमता,अनुशासन और समन्वय की मिसाल मानी जाती है। इनके विमानों की उड़ानें इतनी सटीक होती हैं कि कभी-कभी पंखों के बीच की दूरी 5 मीटर से भी कम रह जाती है।

दुर्ग में 8 तस्कर गिरफ्तार,2 हजार से अधिक नशीली कैप्सूल जब्त

दुर्ग,03 नवम्बर 2025(ए)। पुलिस ने ऑपरेशन विश्वास चलाकर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला था कि कुछ लोग खुर्सीपार के आईटीआई ग्राउंड में नशीली कैप्सूल/टैबलेट अवैध रूप से रखकर बिक्री करने ग्राहक तलाश रहे हैं। सूचना के उपरांत उपस्थित स्टॉफ घटनास्थल पर रवाना हुआ मौके पर पाया कि कुछ व्यक्ति नशीली दवाएं रखे हैं । घेराबंदी कर उन्हें पकड़ कर पूछताछ किया गया जिस पर संदेहियों द्वारा अपना नाम रजनीश पांडे, विपिन जेम्स, श्याम कन्हैया विश्वकर्मा, रणजीत राम, अभिजीत साहू व अरबाज खान उर्फ बाबू बताया आरोपीगण द्वारा नशीली

कैप्सूल टेबलेट की बिक्री करना बताने पर तलाशी ली गई जिसमें रजनीश पांडे से बिना नंबर मोटरसाइकिल, नशीली कैप्सूल 192 नग, नगदी रकम 400 रुपए एवं एप्पल व मोटारोला का फोन, विपिन जेम्स से 312 नाग कैप्सूल, सैमसंग का मोबाइल और नगदी रकम तीन सौ रुपए, श्याम कन्हैया विश्वकर्मा से प्रोक्सी को स्पष्ट कैप्सूल 264 नाग, एक वीवो मोबाइल, नगदी रकम 350 रुपए, रणजीत राम से 280 नाग कैप्सूल एक सैमसंग मोबाइल ?250 नगदी रकम, अभिजीत साहू से 296 नाग कैप्सूल तथा अरबाज खान से 700नग कैप्सूल एवं एक वनप्लस मोबाइल फोन बरामद किया गया इसी प्रकार कुल 2044 नग कैप्सूल एवं बिक्री रकम 1300 टाइटन की घड़ी, 6 नग मोबाइल,एक मोटरसाइकिल बरामद किया गया, आरोपीयो के विरूद्ध थाना खुर्सीपार में अपराध धारा 21 सी, 8, 27(ए) एनडीपीएस एक्ट, 111(3) बीएनएस पंजीबद्ध कर आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। थाना पद्मनाभपुर में मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि मानस भवन के पीछे रविशंकर स्टेडियम दुर्ग के पास नशीली दवाई रखकर बिक्री की जा रही है, सूचना उपरांत पुलिस टीम द्वारा सक्रिय कार्यवाही करते हुए सूचनास्थल पर पहुंची मौके पर पहुंच कर देखा कि दो व्यक्तियों

बाल सुधार गृह की 10 फीट ऊंची दीवार फांदकर 3 नाबालिग भागे,मचा हड़कंप,पहले भी हो चुकी हैं ऐसी घटनाएं

दुर्ग,03 नवम्बर 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के पुलगांव स्थित बाल संप्रेषण गृह (बाल सुधार गृह) से देर रात तीन आपचारिक (अपराध में संलिप्त) बालक फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस और बाल संप्रेषण गृह प्रशासन में हड़कंप मच गया है। पुलिस अब आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, ताकि तीनों नाबालिगों का पता लगाया जा सके और उन्हें पकड़ा जा सके। मामला पुलगांव थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, घटना रविवार देर रात की है। बताया जा रहा है कि तीनों बालक करीब 10 फीट ऊंची दीवार फांदकर संस्थान से भाग

निकले। घटना की जानकारी मिलते ही बाल सुधार गृह प्रबंधन ने तत्काल इसकी सूचना बाल संरक्षण विभाग और पुलगांव पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। साथ ही इलाके में नाकेबंदी कर दी गई है और फरार बालकों की तलाश के लिए विशेष टास्क टीम गठित की गई है। जानकारी के अनुसार, फरार हुए नाबालिगों में एक हत्या, दूसरा लूट और तीसरा अन्य अपराध मामले में बाल संप्रेषण गृह में रखा गया था। एएसपी सुखनंदन राठौर ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि तीन नाबालिगों के बाल सुधार गृह से भागने की सूचना मिली है। आगे विधिवत कार्रवाई की जा रही है। नाबालिगों की तलाश में कई टीमें गठित की गई हैं। पुलिस परिजनों से भी पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि बच्चे कहीं उनके संपर्क में तो नहीं हैं।

सड़क हादसे में 3 की मौत...15 वर्षीय नाबालिग चला रही थी कार,नशे में थे सभी कार सवार...

धरमजयगढ़,03 नवम्बर 2025(ए)। धरमजयगढ़ के पास एक सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई थी। अब इस सड़क हादसे में बड़ा खुलासा हुआ है। हादसे में जब 3 लोगों की मौत हुई तब कार 15 वर्षीय नाबालिग किशोरी चला रही थी। पुलिस ने रविवार को जानकारी दी कि आरोपी किशोरी को हिरासत में ले लिया गया है और उसके खिलाफ गैर-इरादतन हत्या (बीएनएस धारा 105) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसके साथ ही किशोरी के पिता घनश्याम महिलाने को भी आरोपी बनाया गया है, उन पर एमवी एक्ट की धारा 199 सहित अन्य गंभीर धाराओं में

प्रकरण दर्ज किया गया है, क्योंकि उन्होंने नाबालिग को कार चलाने के लिए दी थी। इस मामले में पुलिस की कार्रवाई शुरू में बेहद धीमी और कमजोर थी। प्रारंभ में केवल धारा 106 (1) के तहत केस दर्ज किया गया था, जो एक जमानती धारा है। 3 दिन तक न तो आरोपी का नाम सार्वजनिक किया गया, न ही मामले में कोई गिरफ्तारी की गई। यह हादसा 30 अक्टूबर को धरमजयगढ़ के चाल्हा मोड़ पर हुआ था। तेज रफ्तार कार ने पहले सड़क किनारे खड़ी 1 महिला को टक्कर मारी, फिर सामने से आ रही बाइक को रौंद दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)